RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 50 ता. 15 अगस्त 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

राजस्थान में राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरु, 3 सितंबर को मतदान

जयपुर। राजस्थान में तीन सितंबर को राज्यसभा उपचुनाव की तैयारी जोरों पर है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया समुचित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। राज्यसभा की एक खाली सीट के लिए यह उपचुनाव होना है। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो रही है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जयपुर में एक बैठक ली जिसमें रिटर्निंग अधिकारी, विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा समेत चुनाव से जुड़े कई अधिकारी मौजूद थे। बैठक में राज्यसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि बुधवार को राज्यसभा उप निर्वाचन के लिए अधिसूचना प्रकाशित होने के साथ ही नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। तीन सितंबर को मतदान होगा। इससे पहले भारत निर्वाचन आयोग ने भी राज्यसभा उपचुनाव के लिए सभी 9 राज्यों के रिटर्निंग अधिकारियों, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों और चुनाव कार्य से जुड़े अन्य अधिकारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण में नामांकन प्रक्रिया, संवीक्षा और नाम वापसी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा, मतपत्र छपाई को लेकर भी एक बैठक हुई। इस बैठक में मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग के निदेशक, राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर के अधीक्षक समेत निर्वाचन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मतपत्रों की छपाई और चुनाव से जुड़ी अन्य जानकारी समय पर प्रकाशित करने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल से मरीज परेशान, नहीं हो रहे सर्जरी, आपरेशन

नई दिल्ली। मेरे दिल में छेद है। मैं बिहार इलाज कराने आया हूं। आज जांच होनी थी लेकिन एक अक्टूबर की तारीख दे दी और बताया कि अभी हड़ताल चल रही कब खत्म होगी पता नहीं। बिना जांच कैसे इलाज होगा? अब दो महीने और इंतजार करना होगा। यह कहना है एम्स में इलाज के लिए आए मरीज का। कोलकाता में डॉक्टर की हत्या को लेकर डॉक्टरों की हड़ताल जारी है इससे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जब मरीजों को हड़ताल की वजह पता चली तो वह सहम गए। मरीजों का कहना था कि डॉक्टरों की हड़ताल जायज है, रेप-हत्या जैसा अपराध करने वालों पर सख्त कार्रवाई होना चाहिए, लेकिन विरोध प्रदर्शन का कोई ऐसा रास्ता निकाला जाए जिससे मरीजों को भी परेशानी न हो। रेजिडेंट्स डॉक्टरों के अभाव में जिस प्रकार ओपीडी चलाना मुश्किल है, उसी तरह सर्जरी के लिए ऑपरेशन थियेटर में भी काम नहीं हो सकता है। इसका असर यह हुआ कि मंगलवार को भी एम्स में कई ऑपरेशन थियेटर में सर्जरी नहीं हुई। रूटीन सर्जरी रोक दी गई, जहां पर भी सर्जरी हुई, एम्स में केवल इमरजेंसी सर्जरी ही की गई। जीटीबी अस्पताल, डॉ. हेडगेवार आरोग्य संस्थान, एलएनजेपी समेत शहर के कई अस्पतालों में भी मरीजों का इलाज प्रभावित रहा। ओपीडी के अलावा ओटी तक कैंसल रहीं। मरीज इलाज के अभाव में इधर से उधर भटकते नजर आए। साथ ही वॉर्ड में भर्ती मरीजों को भी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर मामला: सीबीआई की टीम जांच के लिए कोलकाता पहुंची, उधर डॉक्टरों ने हड़ताल जारी रखने का किया ऐलान

नई दिल्ली। ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए जघन्य अपराध के मामले को लेकर देशभर में आक्रोश है। मंगलवार को डॉक्टरों ने देशव्यापी हड़ताल की। दिल्ली एम्स समेत कई अस्पतालों के ओपीडी में काम बाधित रही। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (फेमा) सहित अन्य रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के डॉक्टर्स ने कहा कि जब तक चिकित्सा कर्मियों पर हमलों को रोकने के लिए केंद्रीय कानून लागू नहीं हो जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मामले की सीबाआई जांच शुरू हो चुकी है। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने कहा है कि वह भी डॉक्टरों की हड़ताल में शामिल होने जा रहे हैं। सुखेंदु के ऐलान के मुताबिक वह आज (बुधवार) हड़ताली डॉक्टरों के हड़ताल में शामिल होंगे। सुखेंदु ने कहा,मैं प्रदर्शनकारियों को ज्वाइन करने जा रहा हूं। क्योंकि मेरी भी लाखों बंगाली परिवारों की तरह एक बेटी और छोटी पोती है। हमें इस मौके पर उठ खड़ा होना चाहिए। महिलाओं के खिलाफ क्रूरता बहुत हो चुकी है।टीएमसी सांसद ने आगे कहा,चाहे कुछ भी हो, आइए हम सब मिलकर इस घटना का विरोध करें आरजी कर अस्पताल में बलात्कार और निर्दयतापूर्वक हत्या की गई। वे कौन लोग हैं? अब सीबीआई जांच करेगी। खैर. मुझे सीबीआई पर कोई भरोसा नहीं है। वे मूर्ख हैं। फिर भी सच्चाई सामने आनी ही है। दरिंदों को बचाने की कोशिश क्यों की जा रही है?

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का 78वें स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संदेश

आजादी के त्योहार में शामिल होने वाले सभी देशवासी हमारा परिवार

नई दिल्ली ।

78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आजादी के त्योहार में शामिल होने वाले सभी देशवासी हमारा परिवार हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आजादी का यह पर्व हमें उन दिनों की याद दिलाता है, जब देश के लिए कई लोगों ने बलिदान दिया। हमारे स्वाधीनता सैनानियों ने हमें नई अभिव्यक्ति प्रदान की। सरदार पटेल, बोस, भगत सिंह, बाबा साहेब आंबेडकर जैसे कई अन्य लोग थे, जिनके बलिदान की सराहना होती रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमारे अन्नदाता किसानों ने उम्मीदों से बेहतर कृषि उत्पादन सुनिश्चित किया है। ऐसा करके, उन्होंने भारत को कृषि-क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और हमारे देशवासियों को भोजन उपलब्ध कराने में अमूल्य योगदान दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जी-20 की अपनी अध्यक्षता के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के बाद, भारत ने वैश्विक दक्षिण को मुखर अभिव्यक्ति देने वाले देश के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत बनाया है। भारत अपनी प्रभावशाली स्थिति का उपयोग विश्व शांति और समृद्धि के विस्तार हेतु करना चाहता है।

भारत बड़ी अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वर्ष 2021 से वर्ष 2024 के बीच 8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर हासिल कर, भारत सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल है। इससे न केवल देशवासियों के हाथों में अधिक पैसा आया है, बल्कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में भी भारी कमी आई है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, और हम शीघ्र ही विश्व की तीन शीर्षस्थ अर्थ-व्यवस्थाओं में स्थान प्राप्त करने के लिए तैयार हैं। यह सफलता किसानों और श्रमिकों की अथक मेहनत, नीति-निर्माताओं और उद्यमियों की दूरगामी सोच तथा देश के दूरदर्शी नेतृत्व के बल पर ही संभव हो सकी है।'

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की मोदी सरकार की याचिका

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने 25 जुलाई के अपने फैसले को आगामी प्रभाव से लागू करने की मोदी सरकार की याचिका को खारिज कर दी। जिसमें राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने के विधायी अधिकार को बरकरार रखा गया था। इसके साथ ही न्यायालय ने राज्यों को एक अप्रैल 2005 के बाद से रॉयल्टी वसूल करने की अनुमति दे दी। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि 25 जुलाई के आदेश को आगामी प्रभाव से लागू करने की दलील खारिज की जाती है। पीठ में न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, न्यायमूर्ति उज्जल भूइयां, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि हालांकि, पिछले बकाया के भुगतान पर कुछ शर्तें होंगी। पीठ ने कहा कि केंद्र और खनन कंपनियां खनिज संपन्न राज्यों को बकाये का भुगतान अगले 12 वर्ष में क्रमबद्ध तरीके से कर सकती हैं। बहरहाल, पीठ ने राज्यों को बकाये के भुगतान पर किसी प्रकार का जुर्माना न लगाने का निर्देश दिया।

केंद्र ने खनिज संपन्न राज्यों को 1989 से खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर लगी रॉयल्टी उन्हें वापस करने की मांग का विरोध करते हुए कहा था कि इसका असर नागरिकों पर पड़ेगा और प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) को अपने खजाने से 70,000 करोड़ रुपये निकालना होगा। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस फैसले पर पीठ के आठ न्यायाधीश हस्ताक्षर करेंगे, जिन्होंने बहुमत से 25 जुलाई का फैसला दिया था जिसमें राज्यों को खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार दिया गया था। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति नागरत्ना फैसले पर हस्ताक्षर नहीं करेंगी क्योंकि उन्होंने 25 जुलाई को अलग फैसला दिया था। पीठ ने 25 जुलाई को 8:1 के बहुमत वाले फैसले में कहा था कि राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार है और खनिजों पर दी जाने वाली रॉयल्टी कोई कर नहीं है। इस फैसले ने 1989 के उस निर्णय को पलट दिया था जिसमें कहा गया था कि केवल केंद्र के पास खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर रॉयल्टी लगाने का अधिकार है। इसके बाद कुछ विपक्षी दल शासित खनिज संपन्न राज्यों ने 1989 के फैसले के बाद से केंद्र द्वारा लगाई गई रॉयल्टी और खनन कंपनियों से लिए गए करों की वापसी की मांग की। रॉयल्टी वापस करने के मामले पर 31 जुलाई को सुनवाई हुई और फैसला सुरक्षित रख लिया गया था।

रिमोट से उड़ने वाला लड़ाकू विमान अमेरिका से खरीदेगा भारत, सेना और अधिक होगी सशक्त

नई दिल्ली।

भारतीय सेना को ताकतवर बनाने के लिए अत्याधुनिक हथियार और लडाकू विमान खरीदे जा रहा हैं। इसी कड़ी में भारत अमेरिका से 31 हथियारबंद एमक्यू-9बी हंटर-किलर रिमोट से संचालित विमानों के अभिग्रहण के लिए बातचीत को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। इस साल नवंबर-दिसंबर तक इस मेगा डील को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक इनमें से सबसे अधिक 15 ड्रोन नौसेना को मिलने वाले हैं। इसके बाद सेना और वायुसेना के 8-8 मिलेंगे। ये डील उस वक्त की जा रही है जब चीन और पाकिस्तान दोनों ही अपने सशस्त्र ड्रोन के बेड़े को मजबूत कर रहे हैं। अमेरिका ने 31 हथियारबंद एमक्यू-9बी ड्रोन और संबंधित उपकरणों के लिए 33,500 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत लगाई है। भारत इसकी लागत कम करने की दिशा में बात कर रहा है। उपकरणों में 170 हेलफायर मिसाइलें, 310 जीबीयू-39बी प्रेसिजन-गाइडेड ग्लाइड बम, नेविगेशन सिस्टम, सेंसर सूट और मोबाइल ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम शामिल भी हैं।एक सूत्र ने कहा, अमेरिकी सरकार और जनरल एटॉमिक्स द्वारा अन्य देशों को दी जाने वाली कीमत और शर्तों को ध्यान में रखा जा रहा है। सुरक्षा पर कैबिनेट समिति से अंतिम मंजूरी के बाद इस कैलेंडर वर्ष के भीतर सौदे को पूरा करने के लिए सभी प्रयास चल रहे हैं। बता दें कि यह डील ऐसे समय में होने जा रही है जब चीन ने पाकिस्तान को अपने सशस्त्र के होंग-4 और विंग लूंग-2 ड्रोन की आपूर्ति बढ़ा दी है।

विभाजन के वक्त प्रताड़ना से मृत हुए लोगों को शाह ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली।

1947 में भारत का विभाजन हुआ था। इस दौरान सैकड़ों लोगों को प्रताड़ना सहना पड़ा जिससे उनकी मौत हो गई। इस तरह की अमानवीयता से गुजरने वालों को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस मौके पर शाह ने कहा कि जो राष्ट्र अपने इतिहास को याद रखता है वह मजबूत भविष्य बना सकता है और एक शक्तिशाली देश के रूप में उभर सकता है। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन ने 1947 में आज ही के दिन भारत का बंटवारा कर दिया था, जिससे पाकिस्तान का एक नये राष्ट्र के रूप में जन्म हुआ था। बंटवारे के बाद बड़े पैमाने पर हुए दंगों में लाखों लोग विस्थापित हुए थे और कई लोगों की जान चली गई थी। देश के विभाजन के दौरान जान गंवाने वालों की याद में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2021 में 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के बारे में घोषणा करते हुए कहा था कि यह दिवस लोगों के संघर्ष और बलिदानों की याद में मनाया जाएगा क्योंकि बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर उन लाखों लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं जिन्होंने इतिहास के सबसे क्रूर प्रकरण के दौरान अमानवीय पीड़ाओं का सामना किया, जीवन खो दिया और बेघर हो गए। उन्होंने लिखा, अपने इतिहास को स्मृति में बसाकर, उससे सीख लेकर ही एक राष्ट्र अपने मजबूत भविष्य का निर्माण कर सकता है और एक शक्तिशाली देश के रूप में उभर सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास से इस दिवस को मनाने की परंपरा राष्ट्रनिर्माण की ओर उठाया गया मजबूत कदम है।

सुरक्षाबलों ने ढेर किए चार आतंकी, कैप्टन बलिदान; आतंकियों से मुठभेड़ में गोलीबारी जारी

जम्मू ।

डोडा के अस्सर इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में चार आतंकी मारे गए हैं। सुरक्षा बलों ने एम4 राइफल बरामद की है। इसके अलावा गोला-बारूद और रसद सामग्री भी बरामद की है। मुठभेड़ में चार आतंकियों के मारे जाने की खबर है। वहीं, भारतीय सेना के 48 राष्ट्रीय राइफल्स के एक कैप्टन बलिदान हो गया हैं। भारतीय सेना ने फिर सर्च अभियान चलाया। इसी दौरान आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में तलाशी दल का नेतृत्व करते समय सेना के एक अधिकारी घायल हो गए। जिसके बाद उन्हें अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बलिदानी कैप्टन दीपक 48 राष्ट्रीय राइफल से हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कैप्टन दीपक ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और आतंकवादियों को मार गिराने के लिए अपने लोगों को निर्देशित करना जारी रखा। मुठभेड़ में उन्हें गोली लग गई। जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। उन्होंने कहा कि गंभीर चोटों के कारण कैप्टन ने दम तोड़ दिया और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। सेना के अधिकारी ने बताया कि आतंकवादी अस्सर में एक नदी

के पास छिपे हुए हैं। अपनी तरफ सुरक्षाबलों का घेरा बढ़ता देख आतंकी सियोजधार के रास्ते अस्सर होते हुए जिला डोडा की तरफ निकल गए। सूत्रों के अनुसार सियोजधार इलाके में आतंकवादी दिखे लेकिन धुंध का फायदा उठाकर ये लोग भाग निकले थे। सियोजधार क्षेत्र में मौसम खराब होने के चलते धुंध इतनी ज्यादा थी कि दो फुट की दूरी तक देख पाना मुश्किल हो रहा था। इसके चलते सुरक्षाबलों को तलाशी अभियान में परेशानी आई। आतंकियों के निकलने के बाद सुरक्षाबलों ने डोडा की तरफ सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया। एक हफ्ता पहले भी डूडू बसंतगढ़ में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई थी।

चार साल में सभी रेल इंजनों में लग जाएगा 4.0 सुरक्षा कवच: रेल मंत्री वैष्णव

ट्रेन हादसों को रोकने के लिए कवच 3.2 की जगह कवच 4.0 अपूर्व हुआ

नई दिल्ली।

देश में दौड़ रही ट्रेनों को सुरक्षित बनाने के लिए रेलवे लगातार प्रयास कर रहा है। इन्ही प्रयासों के बीच अब तय किया गया है कि हर एक 5 हजार रेल इंजनों में 4.0 सुरक्षा कवच लगाए जाएंगे और ये काम आगामी चार सालों में पूरा हो जाएगा। इस आशय की जानकारी खुद रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दी। उन्होंने बताया कि यात्रियों को सेफ्टी और सिक्योरिटी रेलवे की प्राथमिकता है। इसी कड़ी में ट्रेन हादसों को रोकने के लिए कवच 3.2 की जगह कवच 4.0 अपूव हुआ है। अब रेलवे ट्रेनों, स्टेशनों और ट्रैकों पर कवच 4.0 लगाया जाएगा। कवच 4.0 तकनीक पूरी तरह से सुरक्षित है। इसका ट्रायल पहाड़ी इलाकों से लेकर समुद्री तट तक और बर्फबारी वाले इलाकों से लेकर घने जंगलों तक किया जा चुका है। सभी इलाकों में इसका ट्रायल सफल रहने के बाद आरडीएसओ ने अप्रूवल दे दी है। इसके बाद रेलवे मंत्रालय ने दो और रूटों पर लगाने का फैसला किया है। भारतीय रेलवे में 20 हजार के करीब इंजन हैं। रेलवे के अनुसार हर साल करीब 5 हजार इंजनों पर कवच 4.0 लगाया जाएगा। इस तरह अगले चार साल में सभी इंजन कवच 4.0 से लैस हो जाएंगे। इसके साथ ही, ट्रैक और स्टेशन प्वाइंट पर भी कवच 4.0लगाया जाएगा। तीनों जगह कवच लगने के बाद ट्रेनों में टक्कर होने की संभावना खत्म हो जाएगी।

साथ ही मौजूदा समय देशभर में 52 वंदेभारत एक्सप्रेस चल रही हैं। यात्रियों की पसंदीदा ये ट्रेन सभी राज्यों को (पूर्वोत्तर को छोड़कर) कवर कर रही हैं। भारतीय रेलवे इन सभी ट्रेनों में यात्रियों की सेफ्टी से जुड़ा एक बड़ा बदलाव करने जा रही है, जिससे काफी हद तक इन ट्रेनों से सफर सुरक्षित हो सकेगा।

यह बात स्वयं रेलमंत्री ने बताई है। रेल मंत्री ने बताया कि मौजूदा समय दौड़ रही 52 वंदेभारत एक्सप्रेस कवच से लैस हैं, लेकिन इनमें कवच 3.2 लगा हुआ है, लेकिन 4.0 अपूव होने के बाद वंदेभारत एक सप्रेस को अपडेट किया जाएगा। इस तरह सभी ट्रेनों में लगे कवच को अपग्रेट किया जाएगा। हालांकि उन्होने बताया कि इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा। जल्द ही इस दिशा में काम शुरू हो जाएगा। अब तक कवच 1,465 किमी। ट्रैक पर लग चुका है। साथ ही 121 इंजनों पर कवच लगाया गया है।

आगरा मंडल ने कुछ इंजन और ट्रेन पर परीक्षण करने के लिए मथुरा (स्टेशन को छोड़कर) और पलवल के बीच 80 किलोमीटर लंबे सेक्शन पर कवच नेटवर्क तैयार कर दिया है।

श्रीनगर के पांच मंदिर और एक धर्मशाला पर जिला प्रशासन का कब्जा

हाईकोर्ट ने उपायुक्त को दिए आदेश पूजा और धार्मिक अनुष्ठानों की करें व्यवस्था

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक अहम सुनाया। इस फैसले में श्रीनगर के बजरंग देव धर्मदास जी मंदिर, बाबा धर्मदास राम जीवनदास ट्रस्ट सतू बरबर शाह, बाबा धर्मदास रामजीवन दास ट्रस्ट सतू बरबर शाह मंदिर विशंभर नगर सहित दो अन्य मंदिरों का प्रबंधन जिला प्रशासन को सौंपने का आदेश दिया है। इसके साथ ही बारामुला के क्रीरी में स्थित एक धर्मशाला की संपत्ति को भी जिला प्रशासन से अपने नियंत्रण में लेने को कोर्ट ने कहा है। श्रीनगर के बजरंग देव धर्मदास जी मंदिर की परिसंपत्ति विवाद से जुड़ी एक याचिका का निपटारा करते हुए, न्यायमूर्ति संजीव कुमार और एमए चौधरी की बेंच ने श्रीनगर के उपायुक्त को आदेश दिया कि वह राजस्व और अन्य विभागों के अधिकारियों की एक समिति का गठन करें जो इन मंदिरों में पूजा और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों की व्यवस्था करे। कोर्ट ने कहा कि निर्विवाद रूप से, मंदिर की संपत्ति देवता में निहित है और इसलिए इस याचिका का कोई भी पक्ष या कोई अन्य दावा नहीं कर सकता। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ भी नहीं है जिसके आधार पर यह कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंच सके कि यह संपत्ति मंदिर को समर्पित की गई। कोर्ट ने कहा कि किसी विशिष्ट रिकॉर्ड के अभाव में यह माना जाना चाहिए कि उस समय के महाराजा ने मंदिरों का निर्माण करवाया और उन्हें भूमि संपत्ति समर्पित की ताकि ऐसी संपत्तियों से अर्जित आय का इस्तेमाल मंदिरों के रख रखाव और धर्मार्थ के उद्देश्य के लिए किया जा सके।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंदिर या उसकी संपत्तियों के संबंध में सभी लंबित सिविल मुकदमों में, सिविल अदालत डिप्टी कमिश्नर, जिला मजिस्ट्रेट को पार्टी प्रतिवादी के रूप में रखेगी ताकि पार्टियों के बीच मिलीभगत से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि यह स्थिति तब तक जारी रहेगी जब तक पार्टियों के अधिकारों को सिविल कोर्ट द्वारा निर्णायक रूप से निर्धारित नहीं किया जाता है या केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सरकार सभी धर्मार्थ और धार्मिक संस्थानों और बंदोबस्ती के लिए एक उचित कानून नहीं बना लेती है। कोर्ट ने कहा ऐसा पाया गया कि 1990 के बाद आतंकवाद के चलते मंदिर की संपत्तियों

की बड़े पैमाने पर लूट हुई। तथाकथित महंतों और बाबाओं ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर इन संपत्तियों पर अतिक्रमण कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान विधानसभा: 22 दिनों में पूछे गए 8 हजार सवाल

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र हंगामे से भरा रहा। आलम यह था कि हंगामे के चलते विपक्षी विधायक सदन में ही रात बिताने लगे थे। इस बीच बजट पर भी चर्चा हुई, कई बड़े-बड़े ऐलान किए गए और सवालों की बौछार भी हुई। राजस्थान के 16वीं विधानसभा के दूसरे सत्र में विधायकों ने 8,088 प्रश्न पेश किए, जिनमें से 426 चर्चा के लिए सूचीबद्ध यानी कि लिस्टेड थे। यह सत्र 22 दिन तक चला और सदन की कार्यवाही 175 घंटे तक चली, जिसे 2 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि बहाल स्लिप सिस्टम को विधायकों से 808 सब्मिशन प्राप्त हुईं। उन्होंने कहा, 'इनमें से 71 को एक रैंडम ड्रा के माध्यम से चुना गया, जिससे विधायकों को सदन में अपनी चिंताओं को प्रस्तुत करने की अनुमति मिली।' देवनानी ने कहा, यह सिस्टम तत्काल सार्वजनिक मुद्दों के समाधान के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से प्रति दिन चार पर्चियां जमा करने का समर्थन करती है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद, देवनानी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि विधानसभा में उठाए गए 92 प्रतिशत प्रश्नों का उत्तर दिया गया और उन्हें विधानसभा के पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक विभिन्न विभागों के लिए 64 अनुदान मांगों में से 19 पर आठ दिनों में चर्चा की गई, जो एक ही सत्र में संबोधित अनुदान मांगों की सबसे अधिक संख्या है। विशेष रूप से, वर्षों में पहली बार, गृह और शिक्षा विभागों के लिए अनुदान मांगों को छोड़ दिया गया था।

पत्नी और तीन बच्चों की हत्या करने वाले को मिली फांसी की सजा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कोर्ट ने एक व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई है। व्यक्ति को पत्नी और तीन बच्चों की हत्या करने का दोषी करार दिया गया है। साथ ही दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने नाबालिग बच्चों की हत्याओं को क्रूर बताते हुए मौत की सजा सुनाई। बिलासपुर के अतिरिक्त सत्र एवं जिला न्यायालय के न्यायाधीश अविनाश के त्रिपाठी ने उमेंद कैवट (34) को इस साल जनवरी में दर्ज एक मामले में अपने ही परिवार के चार लोगों की हत्या का दोषी माना। जस्टिस ने इन हत्याओं को क्रूर करार देते हुए उमेंद को मौत की सजा सुनाई है। सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने 29 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था और उसके बाद मंगलवार को अपना फैसला सुनाया। रिपोर्ट के मुताबिक एक जनवरी, 2024 को केवट ने बिलासपुर जिले के मस्तूरी थाना क्षेत्र के हिरीं गांव में अपनी पत्नी सुकृता (32), दो बेटियां खुशी (5), लिसा (3) और बेटे पवन (18 माह) की घर में ही गला दबाकर हत्या कर दी थी। दोषी पाए उमेंद्र केवट को अपनी पत्नी के किसी दूसरे के साथ संबंध होने का शक था। इसलिए उसने गुस्से में इस वारदात को अंजाम दिया था।

गुनाह करते हैं माता या पिता, सजा भुगतते हैं मासूम

-राज्य बाल आयोग पहुंचा जेल, बच्चों से जाना हाल चाल

देहरादून। गुनाह माता या पिता ने किया लेकिन मासूमो का भी इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। इसको लेकर राज्य बाल आयोग जेल का जायजा लेने पहुंचा। आयोग ने वहां की व्यवस्था को देखा और उस पर संतोष जताया। आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने मां-बाप के साथ जेल में बंद बच्चों का भी हालचाल जाना। जेल नियमों के मुताबिक सजायाफ्ता कैदियों के छह साल तक के बच्चे माता के साथ जेल में रह सकते हैं, क्योंकि बच्चे को मां की देखभाल और पोषण की जरूरत होती है। गुनाह माता या पिता ने किया लेकिन मासूम बच्चों को भी उनके साथ सजा भुगतनी पड़ती है। जेल नियमों के मुताबिक मासूमों को वह सब कुछ मिलना चाहिए, जिससे उनका बचपन कैद जैसा न लगे और मां का साया उन पर बना रहे। नियमों का पालन ठीक से हो रहा है या नहीं, यह देखने राज्य बाल आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने टीम के साथ सुद्धोवाला जेल का जायजा लिया। टीम को महिला कैदियों के साथ छह साल से कम उम्र के बच्चे मिले। डॉ. खन्ना ने बच्चों से बातचीत कर हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि कैदियों के मानसिक व बौद्धिक विकास का ध्यान रखा जा रहा है। सभी महिला कैदियों की समय-समय पर काउंसलिंग की जाती है। उनके लिए रेडियो की व्यवस्था है। दूरभाष पर उनके परिचितों से सप्ताह में एक दिन बात कराई जाती है। आयोग अध्यक्ष ने महिला कैदियों व बच्चों में आयरन व विटामिन डी के सप्लीमेंट वितरित करन की बात कही, जिससे उन्हें आयरन व विटामिन की कमी से बचाया जा सके।

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

सिसोदिया मामले की दलील भी नहीं आई काम

नई दिल्ली। (एजेंसी)

आप नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित शराब घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार सुबह सुनवाई करते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत दिए जाने से इनकार कर दिया है। केजरीवाल की तरफ से पेश हुए वकील ने पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को जमानत दिए जाने वाली दलील भी रखी, लेकिन उसका भी कोर्ट पर कोई असर नहीं हुआ और अगली सुनवाई 23 अगस्त तय कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार 14 अगस्त को केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा, कि उनके पक्ष में 3 बार जमानत के आदेश दिए जा चुके हैं। इनमें सेक्शन 45 का मामला भी है। उन्होंने बताया कि पीएमएलए ने मई माह में अंतरिम आदेश जारी किया था। इसके बाद पीएमएलए द्वारा जून में नियमित जमानत दे दी गई। इसके बाद हाईकोर्ट ने पीएमएलए के आदेश पर रोक लगा दी। इसके साथ ही जमानत की अर्जी दी गई, लेकिन इन तमाम दलीलों के बावजूद कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इंकार कर दिया और अगली पेशी 23 अगस्त की तय कर दी। यहां बताते चलें कि सिसोदिया मामले में भी इसी आशय की दलीलें कोर्ट में रखी गईं थीं, जिनमें कहा गया था कि मुकदमे में किसी प्रकार की कोई प्रोग्रेस ही नहीं हुई है और सिसोदिया को जमानत भी नहीं दी जा रही है। इसी आधार पर बुधवार को सिंघवी ने अदालत से कहा कि इस मामले पर शीघ्र सुनवाई की जानी चाहिए। गौरतलब है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 21 मई, 2024 को सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सिसोदिया जमानत की अर्जी लगाते हुए कहा था कि 2023 अक्टूबर से उनके खिलाफ मुकदमे में किसी प्रकार की कोई प्रगति ही नहीं हुई है। राउज एवेन्यू कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट ने सिसोदिया को जमानत नहीं दी थी। गौरतलब है कि ट्रायल कोर्ट से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक में सिसोदिया की जमानत याचिका कई बार खारिज हुई अंतत- मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए सिसोदिया की याचिका पर फैसला सुनाया और कहा कि जमानत के मामले में हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट सेफ गेम खेल रहे हैं।

बजरंग दल नेता को मिली बम से उड़ाने की धमकी, एसपी से की सुरक्षा की मांग

बांदा। (एजेंसी)

यूपी के जनपद बांदा में बजरंग दल के नेता को अंडरवर्ल्ड से धमकी मिली है। धमकी देने वाले व्यक्ति ने अंकित पांडे और उसके पूरे परिवार को बम से उड़ाने की धमकी दी है। साथ ही यह भी कहा है कि जिस घर में वह रहता है, उसे भी बम से उड़ा दिया जाएगा। इस धमकी से बीजेपी समेत हिंदू संगठनों में दहशत फैल गई है। सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी के घर डीएम कॉलोनी सिविल लाइंस में रहने वाले अंकित पांडे ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बजरंग दल चित्रकूट विभाग का कार्यकर्ता है।

विधायक के घर में रह कर संगठन का काम करता है। दो अगस्त को सुबह 9.42 बजे मोबाइल नंबर 7498449721 से एक कॉल आया जिसकी टू कॉलर में विवेक महाराष्ट्र लिखा था। मेरे फोन उठाने पर दूसरी तरफ से आवाज आई अंकित बोल रहे हो, मैं अंडरवर्ल्ड से बोल रहा हूं यह सुनते ही मैंने कॉल रिकॉर्डिंग पर लगा दी। इस दौरान उसने कहा कि तुम्हें और तुम्हारे पूरे परिवार को बम से उड़ा देंगे। जहां तुम रहते हो उस घर को भी बम से उड़ा देंगे। तुम्हारे गांव और जिले को दहला दूंगा।

इस तहरीर के आधार पर एसपी के निर्देश पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बताते चलें कि इससे पहले 22 मई 2023 को स्पीड पोस्ट से एक पत्र आया था, जो उर्दू में लिखा गया था। अंकित पांडे ने इस पत्र को तत्कालीन एसपी को दिया था। इस पत्र के मिलने के बाद अंकित पांडे को पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई थी। लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान सुरक्षा वापस ले ली गई थी। अंकित पांडे ने एसपी से मांग की है कि उसे और उसके परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई जाए। क्योंकि धमकी देने वाला व्यक्ति मेरे पूरे परिवार को जानता है।

वक्फ की जमीन पर नीतीश सरकार खोलेगी मदरसे, बीजेपी भी सपोर्ट में

पटना। (एजेंसी)

बिहार में नीतीश सरकार ने वक्फ बोर्ड की जमीन पर 21 मदरसे बनवाने का ऐलान कर दिया है। बिहार सरकार के मंत्री जमा खान ने वक्फ बोर्ड की जमीन पर मदरसे बनवाने का ऐलान करते हुए कहा कि ये फैसला बिहार राज्य मदरसा शिक्षा योजना का हिस्सा है। इस योजना का उद्देश्य मदरसा शिक्षा प्रणाली और बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। नीतीश सरकार में शामिल बीजेपी भी इस मदरसा नीति के सपोर्ट में आ गई है। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि ये सरकार की नीति है। केंद्र सरकार की नीति यही है कि वक्फ की संपत्ति का लाभ महिलाओं और बच्चों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि ऐसा अब तक नहीं होता था और नीतीश कुमार जो निर्णय लेंगे, वह मोदी सरकार की नीति के आसपास ही होंगे। राय ने वक्फ बिल पर कहा कि अभी तो इसे विचार और सुझाव के लिए जेपीसी भेजा गया है। मोदी सरकार की नीति स्पष्ट है।

जेडीयू के वरिष्ठ नेता और बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने भी इस निर्णय को अल्पसंख्यकों के उत्थान की दिशा में प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड के अलावा सरकारी जमीनों पर भी मदरसे बनाए जाएंगे। अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए काम किया जा रहा है। चौधरी ने इसे अच्छा निर्णय बताते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों की शिक्षा के हिसाब से उनको फायदा होगा।

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता एजाज अहमद ने नए मदरसे खोलने पर कहा कि लालन सिंह ने वक्फ बिल पर संसद में जो कहा था, कैसी भाषा थी। हम सभी ने उनका भाषण सुना था वक्फ के विरोध में। उन्होंने दावा किया कि उसके बाद जेडीयू में बेचैनी है। अहमद ने इसे आंखों में धूल झोंकने की कोशिश बताते हुए कहा कि जेडीयू अब बचने वाली नहीं है।

राहुल और खरगे के सामने हरियाणा के दिग्गज कांग्रेसियों के बीच हुई तीखी बहस

चंडीगढ़। (एजेंसी)

हरियाणा में विधानसभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं हैं। इसके लिए कांग्रेस अपनी रणनीति पर काम कर रही है। बैठकें हो रही हैं और विचार मंथन चल रहा है,इन्ही बैठकों में कभी कभी नेताओं के बीच बहस भी हो जाती है। ताजा मामला हरियाणा का है जहां सांसद कुमारी सैलजा और प्रदेशाध्यक्ष में तू-तू-मैं-मैं देखने को मिली है। नई दिल्ली में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष सहित अन्य प्रभारियों की मीटिंग में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के सामने सैलजा और प्रदेशाध्यक्ष उदयभान के बीच बहसबाजी हो गई। गौरतलब है कि जुलाई महीने में हरियाणा मामे हिसाब नाम से भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पदयात्रा निकाली थी। इस पदयात्रा में कुमारी सैलजा शामिल नहीं हुई थी। जबकि प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने शिरकत की थी। इसके बाद 27 जुलाई से सैलजा ने अलग से पदयात्रा निकाली थी। अब रणदीप सुरजेवाला पदयात्रा निकाल रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस हरियाणा में गुटों में बंटी हुई नजर आ रही है। दरअसल,नई दिल्ली में कांग्रेस के महासचिव, प्रभारी और प्रदेश अध्यक्षों की बैठक मंगलवार को हुई। इस मीटिंग में राहुल गांधी और खरगे भी मौजूद थे। इस दौरान मीटिंग के दौरान हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान और वरिष्ठ महासचिव कुमारी सैलजा के बीच तू-तू-मैं-मैं देखने को मिली। सांसद सैलजा ने अध्यक्ष उदयभान पर पक्षपात करने का आरोप लगाया। बैठक में सैलजा ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष राज्य में होने वाली बैठकों में सिर्फ एक पक्ष (हुडा) के लोगों को बुलाते हैं और तरजीह देते हैं। इस पर उदयभान ने कहा कि हम तो सभी को बुलाते हैं, लेकिन आप आती नहीं हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। दोनों में बहस के बाद संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने हस्तक्षेप किया और अलग से मीटिंग की बात कहते हुए मामला शांत किया।

बैठक के बाद प्रभारी दीपक बाबरिया से वेणुगोपाल ने कहा कि दूसरे पक्ष की शिकायतों का समाधान तुरंत किया जाए और जल्द सामंजस्य स्थापित कर उन्हे रिपोर्ट दें।

मैं भी बेटियों का पिता हूं, हड़ताली डॉक्टरों के साथ करुंगा प्रदर्शन

टीएमसी सांसद सुखेंदु महिला ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या से हैं दुखी

कोलकाता। (एजेंसी)

कोलकाता के सरकारी अस्पताल में महिला ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने कहा है कि वह डॉक्टरों की हड़ताल में शामिल होने जा रहे हैं। इस घटना से वह बहुत दुखी हैं। सुखेंदु ने कहा कि मैं प्रदर्शनकारियों के साथ जा रहा हूं क्योंकि मेरी भी लाखों बंगाली परिवारों की तरह एक बेटी और छोटी पोती है। हमें इस मौके पर उठ खड़ा होना चाहिए। महिलाओं के खिलाफ क्रूरता बहुत हो चुकी है। सुखेंदु शेखर ने आगे कहा कि चाहे कुछ भी हो, हम सब मिलकर इस घटना का विरोध करें। आरजी कर अस्पताल में

दुष्कर्म और निर्दयतापूर्वक एक ट्रेनी डॉक्टर की हत्या की गई। वे कौन लोग हैं? अब सीबीआई जांच करेगी। खैर, मुझे सीबीआई पर कोई भरोसा नहीं है। वे मूर्ख हैं। फिर भी सच्चाई सामने आनी ही चाहिए। दरिंदों को बचाने की कोशिश क्यों की जा रही है? जो भी इस अपराध में दोषी है, उसे फांसी पर लटकाया जाना चाहिए। बता दें 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के सेमिनार हॉल में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था। इसके बाद से ही रेजिडेंट डॉक्टर्स मामले की जांच अब सीबीआई को सौंप दी गई है। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात पोस्टग्रेजुएट रेजिडेंट डॉक्टर के साथ आठ अगस्त की रात दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। उसके शरीर पर कई चोटों के निशान थे। डॉक्टरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन के डॉक्टर्स का कहना है कि जब तक सरकार डॉक्टरों के लिए सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट लागू नहीं करती, तब तक उनका आंदोलन खत्म नहीं होगा।

आंदोलन के चलते ओपीडी सहित कई सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। हालांकि, रेजिडेंट डॉक्टर्स के एक संगठन ने अपनी हड़ताल वापस ले ली है। इस बीच मामले की जांच अब सीबीआई को सौंप दी गई है।

बांग्लादेश के हालात बिगड़े तो अडानी पावर से बिजली खरीदने के लिए बदल दिए नियम

कोयला आधारित बिजली संयंत्र अब भारत को भी बेचेगा बिजली

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति अडानी पावर द्वारा की जाती थी। नियम था ये कंपनी सिर्फ बांग्लादेश को ही बिजली आपूर्ति करेगी। काफी समय से ऐसा ही चल रहा था और भारत को एक भी बॉट बिजली नहीं मिलती थी। अब चूंकि बांग्लादेश में अराजकता है और पूरा देश हिंसा की आग में काफी हद तक तबाह हुआ है ऐसे में वहां बिजली की आपूर्ति करना किसी चुनौती से कम नहीं है। शायद यही वजह है कि अडानी पावर का एक कोयला आधारित बिजली संयंत्र अब भारत को भी बिजली बेचेगा। जानकारी के मुताबिक पहले वह बांग्लादेश को बिजली बेचने के लिए अनुबंध के तहत काम कर रहा था। अब भारत के बिजली नियंत्रित नियमों में संशोधन के बाद घरेलू बाजार को भी बिजली आपूर्ति कर सकता है। यह कदम कंपनी को बांग्लादेश में राजनीतिक जोखिमों से बचाव करने में मदद देगा। खबरों के अनुसार, 12 अगस्त को जारी बिजली मंत्रालय के एक मेमो में,विशेष रूप से पड़ोसी देश को बिजली की आपूर्ति करने वाले जनरेटर (बिजली कंपनियां) को नियंत्रित करने वाले 2018 के दिशानिर्देशों में संशोधन किया गया है। वर्तमान में भारत में केवल एक संयंत्र एक पड़ोसी देश को अपनी 100 प्रतिशत बिजली निर्यात करने के अनुबंध के तहत है। यह झारखंड में स्थित में अडानी पावर का 1,600 मेगावाट (मेगावाट) का गोड्डा संयंत्र है। यह कदम भविष्य की परियोजनाओं को भी लाभान्वित कर सकता है जहां सभी उत्पादन निर्यात कॉन्ट्रेक्ट से बंधे हुए हैं। सरकार ने यह कदम लंबे समय तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ चले विरोध प्रदर्शनों के बीच देश से भाग जाने के लगभग एक सप्ताह बाद उठाया है।भारत सरकार द्वारा किए गए संशोधन से भुगतान में देरी होने पर स्थानीय ग्रिड को बिजली बेचने की भी अनुमति मिलती है। अडानी ग्रुप ने जुलाई 2023 में संयंत्र को भारत-बांग्लादेश सहयोग का एक चमकता उदाहरण कहा था। इसके तुरंत बाद गौतम अडानी ने संयंत्र का पूर्ण भार चालू होने पर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की थी। अडानी समूह के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि संशोधन से भारत में बिजली की समग्र उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी और देश भर में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

महाराष्ट्र की राजनीति के बदलेंगे तेवर, अजित पवार पर डाले जा रहे डोरे

मुंबई। आने वाले समय में महाराष्ट्र की राजनीति बड़ी उथल-पुथल की संभावना बढ़ रही है। वजह ये है कि शरद पवार की एनसीपी के कुछ नेता अजित पवार को सीएम पद का लालच दे रहे हैं तो कुछ परिजन उन्हें अपने रिश्तों का हवाला दे डोरे डाल अपनी तरफ खींचने का प्रयास कर रहे हैं। उधर,भाजपा नहीं चाहती कि अजित कहीं और जाएं। इस खींचतान के बीच आने वाले समय में सियासी उथल पुथल की संभावना बढ़ती नजर आ रही है। इसी बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद) ने बड़ा दावा कर दिया है। पार्टी का कहना है कि अगर अजित पवार अलग होकर नहीं जाते, तो वह महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री बनते। खास बात है कि वरिष्ठ नेता शरद पवार के गुट की तरफ से बयान ऐसे समय पर आया है, जब अटकलें हैं कि शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री पद के लिए सहयोगियों को मना रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एनसीपी (शरद) नेता जयंत पाटिल ने अजित पवार पर तंज भी कसा है। उन्होंने कहा कि 1990 से अजित विधायक हैं, लेकिन उनके बाद आने वाले एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस आगे निकल गए। खबरें हैं कि महाविकास अघाड़ी (एमवीए) राज्य में कुनबा बढ़ाने की कोशिश में हैं और छोटे दलों को साथ लाने की भी तैयारी कर रहा है।पाटिल ने कहा, अगर वह (अजित पवार) पार्टी छोड़कर नहीं जाते, तो वह मुख्यमंत्री बन जाते। एमवीए के लिए अभी हालात अच्छे हैं। अगला सीएम सिर्फ महाविकास अघाड़ी से होगा। नेताओं की शरद पवार गुट में वापसी को लेकर उन्होंने कहा, वो हमारे संपर्क में हैं, लेकिन मैं इस भरोसे में नहीं रहना चाहता कि वो वापस आ रहे हैं। उनके सिर पर जांच एजेंसियों की तलवार लटक रही है। उनमें से कुछ लोग जहां हैं वहीं खुश हैं।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश सरकार ने हिंदुओं पर हमलों के लिए मांगी माफी, कहा- पीड़ितों से मिलेंगे यूनुस, नुकसान की करेंगे भरपाई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों और मंदिरों में तोड़फोड़ के लिए सरकार ने माफी मांगी है। गृह मंत्रालय के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) मुहम्मद सखावत हुसैन ने कहा, पिछले हफ्ते हुई हिंसा में बहुत से स्थानों पर हिंदुओं पर हमले हुए, उसके लिए सरकार को खेद है। इस हिंसा में जिन्हें नुकसान हुआ और जो मंदिर तोड़े या जलाए गए हैं उनकी क्षतिपूर्ति व निर्माण के लिए सरकार आर्थिक मदद देगी। अंतरिम प्रधानमंत्री मुहम्मद यूनुस मंगलवार को हिंसा पीड़ित समुदायों के प्रमुख लोगों से मिलेंगे। उन्होंने भी अल्पसंख्यकों को पूरी सुरक्षा का भरोसा दिया है। ज्ञात हो, यूनुस को दिए बधाई संदेश में पीएम नरेन्द्र मोदी ने हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई थी और उन्हें रोकने की अपेक्षा की थी। बता दें कि बांग्लादेश में PM पद से शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर चार, पांच व छह अगस्त को भारी हिंसा हुई थी। उपद्रवियों के निशाने पर सरकारी इमारतों के अतिरिक्त अवामी लीग के नेता और हिंदू थे। हिंसा में बहुत से स्थानों पर हिंदुओं पर हमले हुए ढाका में सोमवार को भी हिंदुओं ने अपने समुदाय पर हो रहे सांप्रदायिक अत्याचारों के विरोध में प्रदर्शन किया। इसमेंमहिलाएं भी सम्मिलित हुईं । प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर बड़े पैमाने पर हमले हुए। इनमें दो लोग मारे गए और 45 घायल हुए। इन हमलों की पूरे विश्व में निंदा हुई है। सखावत हुसैन ने कहा, जन्माष्टमी, दुर्गा पूजा और अन्य पर्वों पर सरकार की ओर से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जाएंगे जिससे उल्लास से सभी आयोजन किए जा सकें। सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में कसर नहीं छोड़ेगी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकारमें धार्मिक मामलों का मंत्रालय संभाल रहे एएफएम खालिद हुसैन ने कहा है कि सरकार देश में सांप्रदायिक सौहार्द की पक्षधर है। हमलावरों को दंडित किया जाएगा। इस बीच पुलिसकर्मियों ने ड्यूटी पर लौटने का एलान किया है। इसके चलते नागरिक ठिकानों पर तैनात सेना वापस बैरकों में चली गई है।

तुर्की ने इराक में किए हवाई हमले, 17 कुर्द आतंकवादी ढेर

अंकारा, एजेंसी। उत्तरी इराक में सीमा पार अभियान में कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के ठिकानों पर तुर्की बलों के हवाई हमलों में 17 कुर्द आतंकवादी मारे गये। तुर्की के रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तरी इराक में ऑपरेशन क्लॉ-लॉक क्षेत्र में हवाई हमले किए गए। तुर्की सुरक्षा बल अक्सर उत्तरी इराक में सीमा पार अभियान चलाते हैं और पीकेके के ठिकानों और ठिकानों को निशाना बनाते हैं। तुर्की ने अप्रैल 2022 में तुर्की सीमा के पास इराक के मेटिना, जैप और अवासिन-बसयान क्षेत्रों में पीकेके सदस्यों को निशाना बनाने के लिए ऑपरेशन क्लॉ-लॉक शुरू किया था। तुर्की, अमेरिका और यूरोपीय संघ की ओर से आतंकवादी संगठन घोषित पीकेके ने तीन दशकों से अधिक समय से तुर्की सरकार के खिलाफ विद्रोह किया है।

दो डिप्टी गवर्नर समेत चार शीर्ष अफ़सरों का इस्तीफा, अंतरिम सरकार के निर्देश पर लिया गया फैसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश बैंक के गवर्नर के इस्तीफे के कुछ दिनों बाद ही दो डिप्टी गवर्नर काजी सईदुर्रहमान और मोहम्मद खुर्शीद आलम ने इस्तीफा दे दिया है। अंतरिम सरकार के निर्देशों के बाद डिप्टी गवर्नरों के साथ वित्तीय खुफिया इकाई के प्रमुख मसूद बिस्वास ने भी इस्तीफा दे दिया। इस बीच, अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार, मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि देश में नई सरकार की शुरुआत के साथ, 'बड़ी शक्तियों' के साथ संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण है। हुसैन ने कहा, देश में कानून और व्यवस्था की बहाली अंतरिम सरकार की प्राथमिकता है, जबकि पहला लक्ष्य हासिल होने के बाद अन्य मुद्दे सुलझा लिए जाएंगे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अंतरिम सरकार की ओर से अधिकांश मांगों को पूरा करने का आश्वासन मिलने के बाद बांग्लादेश में प्रदर्शनकारी पुलिस अधिकारी हड़ताल वापस लेने पर सहमत हो गए हैं। बांग्लादेश पुलिस अधीनस्थ कर्मचारी संघ ने नौकरियों में कोटा प्रणाली पर शेख हसीना सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और छात्रों के बीच देशभर में हुई झड़पों के बाद हड़ताल की घोषणा भी वापस ले ली है। ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने कहा कि प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी अधिकारियों के इस्तीफे पूरी तरह कानूनी हैं। क्योंकि हसीना सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले छात्र नेताओं ने उन्हें इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया था। पिछले कुछ दिनों में देश के मुख्य न्यायाधीश, पांच जजों और केंद्रीय बैंक के गवर्नर व दो डिप्टी गवर्नरों ने इस्तीफा दिया है। इस बीच बांग्लादेश में हिंदुओं व अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ दुनिया भर में प्रदर्शन जारी हैं। इसी क्रम में सोमवार को भी बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोगों ने ह्यूस्टन में प्रदर्शन किया व सरकार से अपनी सुरक्षा की मांग की। वहीं दूसरी तरफ भारत में भी झारखंड, असम समेत कई राज्यों में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को रोकने व उनकी सुरक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहे रहे हैं।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसीआईएसआई के पूर्व चीफ फैज हमीद को सैन्य हिरासत में लिया गया

इस्लामाबाद, एजेंसी। एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को घोषणा की कि उसने पूर्व आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद को गिरफ्तार कर लिया है तथा एक आवास योजना घोटाले के सिलसिले में उनके खिलाफ कोर्ट मार्शल की कार्यवाही शुरू की है। सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (सेवानिवृत्त) के खिलाफ 'टॉप सिटी मामले में की गई शिकायतों की सत्यता का पता लगाने के लिए पाकिस्तानी सेना द्वारा एक विस्तृत जांच की गई थी। बयान में कहा गया, इसके परिणामस्वरूप, पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (सेवानिवृत्त) के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। इसमें कहा गया, इसके अलावा, सेवानिवृत्ति के बाद पाकिस्तान सैन्य अधिनियम के उल्लंघन के कई मामले भी सामने आए हैं। फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और

लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (सेवानिवृत्त) को सैन्य हिरासत में ले लिया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) हमीद को 2019 से 2021 तक जासूसी एजेंसी का नेतृत्व करते समय बेहद शक्तिशाली माना जाता था। उन्हें इस प्रतिष्ठित पद पर तब नियुक्त किया गया था, जब तत्कालीन आईएसआई प्रमुख और वर्तमान सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर को समय से पहले पद से हटा दिया गया था। तब ऐसी खबरें आई थीं कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान मुनीर से खुश नहीं थे। बाद में, सेना ने हमीद को बदलने का फैसला किया, जिसका इमरान खान ने कड़ा विरोध किया और ऐसा माना जाता है कि यह शक्तिशाली सेना के साथ उनके संबंधों में खटास की शुरुआत थी। 'टॉप सिटी मामला तब सुर्खियों में आया, जब आठ नवंबर 2023 को टॉप सिटी के मालिक मोइज अहमद खान ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर हमीद पर अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने याचिका में कहा कि 12 मई, 2017 को जनरल हमीद के कहने पर आईएसआई अधिकारियों ने 'टॉप सिटी कार्यालय और उनके घर पर छापा मारा और सोना, हीरे और धन सहित बहुमूल्य सामान जब्त कर लिये। उन्होंने यह भी कहा कि हमीद के भाई सरदार नजफ के भी बाद में इस मुद्दे को सुलझाने के लिए उनसे संपर्क किया था। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि बाद में जनरल हमीद ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि आईएसआई अधिकारियों ने उनसे 4 करोड़ रुपये की नकदी वसूली। हमीद ने मौजूदा सेना प्रमुख के पदभार संभालने के बाद अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख से चार महीने पहले नवंबर 2022 में समय से पहले सेना छोड़ दी थी। उन्हें तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा का करीबी माना जाता था। आईएसआई प्रमुख का पद पाकिस्तानी सेना में सबसे महत्वपूर्ण पदों में से एक माना जाता है।

मंगोलिया में इस साल डूब कर हुई 85 लोगों की मौत

उलन बातोर , एजेंसी। मंगोलिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (एनईएमए) ने बताया है कि इस साल की शुरुआत से अब तक पूरे देश में डूबकर कुल 85 लोगों की मौत हो गई। एनईएमए ने सोमवार को बताया कि मृतकों में 71 वयस्क और 14 बच्चे शामिल हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसी ने इन दुर्घटनाओं के लिए लापरवाही, बच्चों को बिना देखरेख के छोड़ना तथा शराब पीकर तैराकी को जिम्मेदार ठहराया है। एजेंसी ने कहा कि यात्रा और दर्शनीय स्थलों की यात्रा का ये पीक सीजन है, इस मौसम में मंगोलिया की प्रमुख नदियां लबालब हैं, इसे देखते हुए एजेंसी ने जनता से अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने और नदियों के पास आराम करते समय संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सतर्क रहने का आग्रह किया है। एजेंसी ने कहा कि यात्रियों को सावधानी बरतनी चाहिए और नदी के पास से गुजरने से पहले मौसम की जानकारी लेनी चाहिए। जनता से आग्रह है कि वे अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें तथा नदियों के पास आराम करते समय संभावित दुर्घटनाओं को लेकर सतर्क रहें। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान और पर्यावरण निगरानी एजेंसी (एनईएमएचएईएम) ने बीते बुधवार को लगातार भारी बारिश से देश भर की प्रमुख नदियों में जलस्तर बढ़ने के बाद मंगोलिया में बाढ़ की चेतावनी जारी की थी।

अल्पसंख्यकों की आवाज का सम्मान करे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार : यूएन महासचिव

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से संसदीय

चुनावों की तैयारी के दौरान अल्पसंख्यकों की आवाज पर विचार करने और मानवाधिकारों का सम्मान करने की अपील की है।

उप प्रवक्ता फरहान हक के अनुसार, बांग्लादेश के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए एंटोनियो गुटेरेस ने सोमवार को कहा, वह अंतरिम सरकार के समर्थन से बांग्लादेश में शांति बहाल करने और संसदीय चुनाव आयोजित करने के प्रयासों का स्वागत करते हैं। हक ने कहा, उन्होंने (गुटेरेस) अपील की कि अंतरिम सरकार हर संभव प्रयास करे कि सभी वर्गों को साथ लेकर चले, खासकर महिलाओं, युवाओं, और देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों, अल्पसंख्यकों और आदिवासी समुदायों की बातों को भी ध्यान में रखा जाए। देश संसदीय चुनावों की ओर बढ़ रहा है। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत चले जाने के बाद अंतरिम सरकार का नेतृत्व संभाला है।

रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद कई जगहों पर हिंदुओं पर हमले किए गए, उनके घरों और व्यवसायों को नष्ट कर दिया गया और कुछ हिंदुओं की हत्या भी कर दी गई। अल्पसंख्यक संगठन हिंदू-बौद्ध-ईसाई ओइक्या परिषद के नेता रणा दासगुप्ता के अनुसार, लगभग 100 हिंदू घायल हुए हैं और दो मारे गए हैं। पिछले सप्ताह 97 स्थानों पर हिंदू विरोधी हिंसा हुई और कम से कम 10 मंदिरों पर हमला किया गया।

शेख हसीना के खिलाफ छात्र विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक में लगभग 300 लोगों के मारे जाने की खबर है। फरहान हक ने कहा, एंटोनियो गुटेरेस ने हिंसा के सभी कृत्यों की पूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की अपील दोहराई है।

इस्राइल पर इस हफ्ते हमला कर सकता है ईरान, अमेरिका ने कहा- हमें तैयार रहना होगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का कहना है कि ईरान संभवतः इस हफ्ते इस्राइल पर हमला कर सकता है। ऐसे में हमें तैयार रहना होगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन किर्बी ने यह बात कही है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल ही में ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली के नेताओं से पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और संघर्ष के पूरे क्षेत्र में फैलने के संभावित खतरे को लेकर चर्चा की है। उसके बाद ही किर्बी का बयान सामने आया है।

अमेरिका ने पश्चिमी देशों के साथ मिलकर इस्राइल की रक्षा की बात दोहराई : किर्बी ने कहा कि हमें हमलों के लिए तैयार रहना होगा। किर्बी ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन ने अन्य यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत में इस्राइल की रक्षा करने की बात दोहराई। हालांकि अमेरिका ने ये भी कहा है कि वह हिंसा में बढ़ोतरी नहीं चाहते हैं और वह चाहेंगे कि ईरान और उसके सहयोगी कोई हमला न करें। साथ ही गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई के प्रयासों को भी अपना पूर्ण समर्थन दिया। वहीं ईरान ने तेहरान में हमास नेता को निशाना बनाने के लिए बदला लेने का एलान कर दिया। वहीं हाल ही में इस्राइल ने हिजबुल्ला के एक शीर्ष कमांडर को भी बेरूत में ढेर कर दिया था। ऐसे में हिजबुल्ला भी इस्राइल पर हमले की फिराक में हैं।

ट्रंप सरकार में एलन मस्क को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी, इंटरव्यू से सोशल मीडिया पर चर्चाएं शुरू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दावेदार डोनाल्ड ट्रंप का मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के साथ एक इंटरव्यू प्रसारित हुआ है। इस इंटरव्यू के बाद इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि अगर राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिलती है तो उसमें एलन मस्क को कोई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। इस इंटरव्यू में मस्क और ट्रंप के बीच अवैध प्रवासियों, तीसरे विश्व युद्ध, ट्रंप पर हुए हमले आदि मुद्दों पर बातचीत हुई।

ट्रंप सरकार में मस्क को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी : दरअसल इंटरव्यू के दौरान एलन मस्क ने कहा कि मेरी इच्छा है कि सरकारी खर्च का प्रबंधन करने में वह सरकार की मदद करें। मुझे लगता है कि सरकार एक आयोग बनाए, जो करदाताओं के पैसों के सही खर्च का ध्यान रखे। मुझे ऐसे किसी आयोग की मदद करने में बहुत खुशी होगी। मस्क के बयान पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इस प्रस्ताव पर विचार करके उन्हें खुशी होगी। इस चर्चा के बाद सोशल मीडिया पर ये चर्चा शुरू हो गई कि अगर ट्रंप सत्ता में आते हैं तो उनकी सरकार में एलन मस्क को अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है।

सोशल मीडिया पर चर्चाएं शुरू : मस्क, डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक माने जाते हैं और महं में भी अमेरिकी मीडिया में अफवाहें थीं कि अगर ट्रंप चुनाव जीतते हैं तो वे एलन मस्क को सलाहकार बनाया जा सकता है। अब दोनों लोगों की ताजा बातचीत से उन चर्चाओं को और बल मिला है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा, ऐसा लगता है कि मस्क अपनी नौकरी के लिए

साक्षात्कार दे रहे हैं। एक और यूजर ने चुटकी लेते हुए कहा, भूमिका पाने का यह तितना बढ़िया तरीका है, मस्क वास्तव में एक ट्रेंडसेटर हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा कि इस आदमी की आईक्यू इतनी शानदार है कि मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता।

बातचीत के दौरान दोनों के बीच परमाणु ऊर्जा से बिजली बनाने को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि अक्सर परमाणु ऊर्जा से बिजली बनाने के तरीके को अनदेखा किया जाता है और अतीत में हुई कुछ घटनाओं से इसका नाम खराब हुआ है। हमें परमाणु ऊर्जा को अच्छा नाम देना होगा। इस दौरान ट्रंप ने मस्क से कहा कि हम इसका नाम आपके नाम पर रखेंगे या कुछ और। ट्रंप के इस बयान से भी लगा कि ट्रंप भी सत्ता में आने पर मस्क को कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं।

कमला हैरिस प्रचार अभियान ने साधा निशाना कमला हैरिस और उपराष्ट्रपति पद के दावेदार वाल्ज की प्रचार अभियान टीम ने अपने समर्थकों को एक ईमेल भेजकर ट्रंप और मस्क पर निशाना साधा।। इस ईमेल में लिखा गया है कि दो सबसे बुरे लोग, जिन्हें आप जानते हैं, वे आज शाम लाइव हैं। ईमेल में लिखा गया कि मस्क, ट्रंप के प्रचार अभियान के लिए लाखों डॉलर दान दे रहे हैं और साथ ही अपने सोशल मीडिया मंच एक्स का भी ट्रंप के फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

ट्रम्प का दावा- कमला हैरिस की रैलियों में नकली भीड़: एआई का इस्तेमाल कर ज्यादा लोग दिखाए

वाशिंगटन , एजेंसी। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को दावा किया है कि पिछले हफ्ते उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की मिशिगन रैली में ज्यादा भीड़ नहीं थी। उन्होंने कहा कि रैली में ज्यादा भीड़ दिखाने के लिए..ढ़ का इस्तेमाल किया गया था।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा कि फर्जी भीड़ दिखाने के चलते हैरिस को 2024 के चुनाव के लिए अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फर्जी छवि बनाना गलत है। कमला ने बुधवार (7 अगस्त) को मिशिगन के डेट्रॉयट में एक चुनावी रैली को संबोधित किया था। इस रैली से पहले एयरपोर्ट पर खूब भीड़ जुटी थी। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर वायरल हुई थी, जिसके बाद ट्रम्प ने कहा कि ये सब कुछ नकली है।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा, क्या किसी ने देखा कि कमला ने एयरपोर्ट पर धोखा दिया? उसने समर्थकों की एक बड़ी भीड़ दिखाई, लेकिन ऐसा नहीं था। वहां उनका कोई इंतजार नहीं कर रहा था। कमला हैरिस और टिम वाल्ज की चुनावी टीम ने

सोशल मीडिया पर ट्रम्प के दावे को गलत बताया। उन्होंने कहा कि मिशिगन में कमला और वॉल्ज को देखने के लिए करीब 15,000 लोग आए थे। लगता है कि ट्रम्प की एनर्जी कम हो रही है। उन्होंने पिछले एक सप्ताह से स्विंग स्टेट में कोई रैली नहीं की। सीक्रेट दस्तावेज केस के लिए ट्रम्प न्याय विभाग पर ही केस करने की तैयारी में एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प गोपनीय सरकारी दस्तावेजों को प्राप्त करने के लिए अपने मार-ए-लागो एस्टेट में तलाशी वारंट जारी करने के लिए अमेरिकी न्याय विभाग पर 100 मिलियन डॉलर का मुकदमा करने की योजना बना रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति के मार-ए-लागो आवास पर 8 अगस्त 2022 को एफबीआई की छापे मारे थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प की कानूनी टीम यह तर्क देगी कि न्याय विभाग ने जब उनकी संपत्ति की तलाशी ली तो उसका राजनीतिक उत्पीड़न करने का स्पष्ट इरादा था।

मंगल पर मौजूद है जीवन? नासा की बड़ी खोज के बाद जगी उम्मीद, कई मामलों में धरती से समानता

वॉशिंगटन, एजेंसी। मंगल की सतह पर बड़ी मात्रा में पानी मिलने की संभावनाएं सामने आई हैं। नासा के इनसाइट्स लैंडर के नए सेस्मिक आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक मंगल की सतह के नीचे गहराई में पानी का एक विशाल भंडार हो सकता है। गौरतलब है कि पूर्व में हुई स्टडी में मंगल ग्रह के स्तरों पर जमे हुए पानी और इसके वातावरण में जल वाष्प की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। लेकिन यह पहली बार है जब ग्रह पर तरल पानी पाया गया है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी बर्कले के प्रोफेसर माइकल मंगा के मुताबिक किसी ग्रह के विकास को आकार देने में पानी की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि यह खोज एक बड़े सवाल का जवाब देती है कि मंगल ग्रह का सारा पानी कहां गया। अध्ययनों में वाटर चैनल्स और लहरों के प्रमाण मिले हैं। यह साबित करते हैं कि प्राचीन काल में मंगल ग्रह पर नदियां और झीलें मौजूद थीं। इसके बावजूद ग्रह तीन अरब साल से एक रेगिस्तान रहा है। वजह, अपना वायुमंडल खोने के बाद इसका सारा पानी सूरज की भेंट चढ़ गया। यह पानी मंगल ग्रह पर जिंदगी के लिए बेहद अहम हो सकता है। प्रोफेसर मंगा ने कहा कि धरती का अधिकांश पानी जमीन के नीचे है। हमेशा इस बात की संभावना है कि मंगल ग्रह पर भी ऐसा ही हो सकता है, जिसे धरती का जुड़वां कहा जाता है। पानी के बिना जिंदगी का अस्तित्व संभव नहीं है। ऐसे में यह

खोज इस बात का इशारा करती है कि जमीन के अंदर रहने लायक वातावरण हो सकता है। मंगल पर जलचक्र का अध्ययन करना इसकी जलवायु, बाहरी सतह और इसके अंदरूनी हिस्सों के विकास को समझने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। नासा के इनसाइट ने दिसंबर 2022 में अपना मिशन पूरा कर लिया, लेकिन लैंडर चार साल तक मंगल की सतह पर भूकंपीय तरंगों को रिकॉर्ड करना जारी रखेगा। लैंडर ने लगभग 1,319 भूकंप दर्ज किए हैं। इसके बाद भूकंपीय तरंगों की गति को मापकर, वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया है कि जमीन के अंदर किस तरह की चीजें होने की संभावना है। इससे संबंधित खोज नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस में प्रकाशित हुई है। इसी तरह की तकनीक धरती पर पानी, गैस या तेल की संभावना जांचने के लिए इस्तेमाल की जाती है।

ग्रीस के जंगलों में फैली भयंकर आग; काबू पाना हुआ मुश्किल, हजारों लोगों को घरों से निकाला

एथेंस, एजेंसी। रविवार को ग्रीस में भयंकर जंगल की आग के कारण अथेंस के पास स्थित क्षेत्रों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। आग इतनी तीव्र थी कि उसने आसमान को काले धुएं से ढक दिया, जिससे आस-पास के इलाकों में दृश्यता कम हो गई और हवा में धुएं की गंध फैल गई। ग्रीस सरकार ने तेजी से फैलती आग को देखते हुए प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को तुरंत अपने घरों को छोड़ने और सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया। आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मी लगातार जूझ रहे हैं, लेकिन तेज हवाओं और सूखे मौसम के कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है।

दमकल विभाग ने पूरी ताकत के साथ आग बुझाने के प्रयास शुरू किए हैं। आग ने बड़े पैमाने पर वनस्पति और जंगल को नष्ट कर दिया है, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा है। अथेंस के आसपास के कई इलाकों में आग फैलने का खतरा बढ़ गया है, जिससे और अधिक लोगों को निकाला जा सकता है। ग्रीस सरकार और दमकल विभाग स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। निकासी और राहत कार्यों को तेजी से अंजाम दिया जा रहा है ताकि किसी भी संभावित नुकसान से लोगों को बचाया जा सके इस आग ने स्थिति को इतना खतरनाक बना दिया कि अस्पतालों और कम से कम 11 कस्बों और गांवों को खाली कराना पड़ा है।आग से निपटने के लिए 560 से अधिक दमकलकर्मी, 17 जल बमवर्षक विमान, और 15 हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। ये सभी मिलकर आग को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। यह आग रविवार को वर्नवास के पास भड़की, जो राजधानी से लगभग 20

मील (32 किलोमीटर) उत्तर में स्थित है। तेज हवाओं के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया और व्यापक क्षेत्र में फैल गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आसपास के अस्पतालों और कस्बों को तुरंत खाली कराया गया है। सरकार और प्रशासन पूरी ताकत से राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। अथेंस के करीब पहुंच रही आग से राजधानी पर भी खतरा मंडरा रहा है। अधिकारियों ने स्थिति पर नजर बनाए रखी है और अतिरिक्त सहायता के लिए तैयारियां की जा रही हैं। दमकलकर्मी और प्रशासनिक टीमें लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन तेज हवाओं के चलते हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का काम जारी है, और स्थिति की निगरानी लगातार की जा रही है।

संपादकिय

पर्यावरण और किसान

बसे महत्वपूर्ण यह कि इस बॉयो फ्यूल प्लांट से एक लाख लीटर एथनॉल तैयार किया जा सकेगा। जिसके लिये प्रतिदिन सात सौ टन फसलों के अवशेष का दोहन किया जा सकेगा। बताया जा रहा है कि पेट्रोल के साथ एथनॉल मिलाये जाने से देश को प्रतिवर्ष चार अरब डॉलर की दुर्लभ विदेशी मुद्रा की बचत हो सकेगी।

हरियाणा की पानीपत रिफाइनरी में टू-जी एथनॉल प्लांट का शुरू होना निश्चित रूप से बहुआयामी लाभों को हकीकत में बदलना ही है। एक ओर जहां किसानों को पराली जलाने की तोहमत से बचाना है, वहीं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण पर अंकुश लगाने की सार्थक पहल है। इससे जहां किसानों की आय बढ़ेगी, वहीं स्थानीय लोगों के लिये रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इस बॉयो फ्यूल प्लांट से एक लाख लीटर एथनॉल तैयार किया जा सकेगा। जिसके लिये प्रतिदिन सात सौ टन फसलों के अवशेष का दोहन किया जा सकेगा। बताया जा रहा है कि पेट्रोल के साथ एथनॉल मिलाये जाने से देश को प्रतिवर्ष चार अरब डॉलर की दुर्लभ विदेशी मुद्रा की बचत हो सकेगी। इसके चलते अभी पेट्रोल में जो दस फीसदी एथनॉल मिलाया जाता है, उसकी जगह बीस फीसदी एथनॉल अप्रैल 2023 से मिलाया जा सकेगा। वर्ष 2025 तक देश के सभी पेट्रोल पंपों पर एथनॉल मिश्रित पेट्रोल मिलने लगेगा। निश्चित रूप से जैव ईंधन प्रकृति की रक्षा करता है। पराली जलाने से धरती की पीड़ा को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा। वहीं दूसरी ओर पराली काटने व उसके निस्तारण को लेकर गांव-देहात में जो परेशानी होती थी, उसका समाधान संभव है। साथ ही किसानों व आपूर्तिकर्ताओं को आर्थिक लाभ भी होगा। इसमें न केवल पराली बल्कि गेहूं का भूसा, मक्का के अवशेष, गन्ने की खोई व सड़े-गले अनाज का भी उपयोग हो सकेगा। निश्चित रूप से जहां अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग हो सकेगा, वहीं कृषकों को अतिरिक्त आय का बोनस भी मिलेगा। वहीं इस पहल का विस्तार पंजाब, उत्तर प्रदेश व राजस्थान आदि राज्यों में भी किया जाना चाहिए, जिन पर आरोप लगते रहे हैं कि उनके किसानों द्वारा पराली जलाने से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या पैदा होती है। हर साल के अंत में दिल्ली जिस धुंध की चपेट में आ जाती थी, उम्मीद है अब उसमें निश्चित रूप से कुछ कमी आ सकेगी। निस्संदेह, जैव ईंधन उत्पादन के ऐसे प्रयास सारे देश में किये जाने चाहिए क्योंकि भारत के तमाम शहर प्रदूषण की दृष्टि से संकटपूर्ण स्थिति से गुजर रहे हैं। लेकिन सरकार के ये प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक किसानों की सक्रिय भागीदारी इस मुहिम में नहीं होती। किसानों को समझाया जाना चाहिए कि फसलों के अवशेष जलाने से जो प्रदूषण पैदा होता है उससे उनकी धरती, परिवार व समाज का अहित होता है। किसानों की सेहत पर भी इसका प्रतिकूल असर होता है। इस मुहिम में किसान की भागीदारी अनिवार्य शर्त है। जहां वे इससे अपनी अतिरिक्त आय जुटा सकते हैं, वहीं अन्य लोगों को भी रोजगार के अवसर दे सकते हैं। सरकार को भी किसानों को बढ़ती महंगाई में राहत देने के लिये खाद, उपकरणों तथा बीजों की कीमत में कुछ छूट देने का प्रयास करना चाहिए। इसका अभिप्राय यह बिल्कुल नहीं है कि इस अभियान को मुफ्त की राजनीति का हिस्सा बनाया जाये। लेकिन जब कर्मचारियों को महंगाई बढ़ने पर भत्ता दिया जा सकता है तो अपरोक्ष रूप से किसान को भी राहत देने की ईमानदार कोशिश होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर खेतों से एथनॉल प्लांट तक फसलों के अवशेष ले जाने वाले श्रमिकों, वाहन चालकों तथा प्लांट में काम करने वाले श्रमिकों को भी इससे रोजगार मिलता है।

कार्टून

कैसी आजादी के पक्षधर हैं हम ?

लेखक- योगेश कुमार गोयल

(स्वतंत्रता दिवस पर विशेष)

आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, उस राष्ट्र की ऐसी दुर्दशा होगी और आजादी की तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है लेकिन महिलाओं से दुर्व्यवहार की घटनाएं जिस प्रकार लगातार बढ़ रही हैं और समाज में अपराधों की तादाद भी बढ़ रही है, ऐसे में देश की गुलामी का दौर देख चुके कुछ बुजुर्ग तो अब कहते सुने भी जाते हैं कि गुलामी के दिन आज की इस आजादी से कहीं बेहतर थे,

प्रतिवर्ष कैलेंडर की घूमती तारीख की तरह 15 अगस्त का विशेष दिन हर साल की भांति एक बार फिर हमारे सामने है। यह दिन प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरवशाली दिन है क्योंकि इसी दिन भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में एक अलग ही जज्बा और उत्साह समाहित रहता है। इस बार स्वतंत्रता दिवस की महत्ता इसलिए भी बहुत ज्यादा है क्योंकि इस वर्ष देश की गुलामी की जंजीरों से मुक्ति के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है और प्रधानमंत्री के आव्हान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान भी चलाया जा रहा है। हालांकि जब हर वर्ष देश की स्वतंत्रता के साथ-साथ राष्ट्र की आन-बान और शान के प्रतीक इसी तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुतेरे ऐसे जनप्रतिनिधियों को भी देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? देश को आजाद हुए पूरे 75 बरस हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 75 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात साल दर साल किस कदर बदले हैं, वह किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि अक्सर गाली-गलौच, उठापटक से लेकर कुर्ता-फाड़ राजनीति तक उतर आते हैं। वर्षों की गुलामी के बाद मिली आजादी को आज हम जिस रूप में संजोकर रख पाए हैं, सभी के सामने है।

आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, उस राष्ट्र की ऐसी दुर्दशा होगी और आजादी की तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है लेकिन महिलाओं से दुर्व्यवहार की घटनाएं जिस प्रकार लगातार बढ़ रही हैं और समाज में अपराधों की तादाद भी बढ़ रही है, ऐसे में देश की गुलामी का दौर देख चुके कुछ बुजुर्ग तो अब कहते सुने भी जाते हैं कि गुलामी के दिन आज की इस आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। 'सैयां भये कोतवाल तो डर काहे का' कहावत हर कहीं चरितार्थ हो चली है। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, मध्यम वर्ग के लिए जीवनयापन दिनों-दिन मुश्किल होता जा रहा है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। ऐसे हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द ही अपनी-अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है, कहीं कोई सत्ता बचाने में लगा है तो कहीं कोई इसे गिराने के प्रयासों में। संसद और विधानसभाओं में हंगामेदार तस्वीरें तो अब कोई नई बात नहीं रह गई है। ऐसे बदरंग हालातों में रह-रहकर यह सवाल सिर उठाने लगता है कि आखिर कैसी है ये आजादी? आखिर आजादी का अर्थ क्या है? इस सवाल का उत्तर तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि यह नहीं जान लिया जाए कि स्वतंत्र होना आखिर किसे कहते हैं? देश को? व्यक्ति को? समाज को? यह जानना भी बेहद जरूरी है कि क्या कुछ बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित व्यक्ति, समाज या देश को स्वतंत्र कहा जा सकता है? क्या भोजन, कपड़ा और रहने की व्यवस्था, बीमारी से बचाव, भय-आतंक, शोषण व असुरक्षा से छुटकारा, साक्षर एवं शिक्षित होने के पर्याप्त अवसर मिलना और अन्य ऐसी ही कई बातें मानव के बुनियादी अधिकार नहीं हैं? क्या शोषण और उत्पीड़न से मुक्ति के संघर्ष को मानव का बुनियादी अधिकार नहीं माना जाना चाहिए? आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा राष्ट्र रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता। राजस्थान हो या उत्तर प्रदेश, हरियाणा हो या गुजरात अथवा महाराष्ट्र, आरक्षण के नाम पर उठते विध्वंसक आन्दोलनों की आग में से जब-तब झुलसते रहे हैं और हर कोई ऐसे विध्वंसक अवसरों का राजनीतिक लाभ लेने की कवायद में ही जुटा नजर आया है। आजादी के बाद के इन साढ़े सात दशकों में महंगाई, भ्रष्टाचार और अपराध इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। भले ही भ्रष्टाचार पर नकेल कसे जाने के कितने ही ढोल क्यों न पीटे जाते रहें किन्तु वास्तविकता यही है कि आज भी अधिकांश जगहों पर बिना लेन-देन के कार्य सम्पन्न नहीं होते। बड़े नेताओं की तो छोड़ दें, छुटभैया नेताओं की भी चांदी हो चली है। आजादी के बाद लोकतंत्र के इस बदलते स्वरूप ने आजादी की मूल भावना को बुरी तरह तहस-नहस कर डाला है। आजादी का एक शर्मनाक पहलू यह भी है कि गिने-चुने मामलों को छोड़कर हत्या, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे संगीन अपराधों से विभूषित जनप्रतिनिधि भी प्रायः सम्मानित जिंदगी जीते रहते हैं। देश के ये बदले हालात आजादी के कौनसे स्वरूप को उजागर कर रहे हैं, विचारणीय है। लोकतंत्र के हाशिये पर खड़ी देश की जनता के लिए इस दिशा में फिर से चिंतन-मंथन करना आवश्यक हो गया है कि वह आखिर किस तरह की आजादी की पक्षधर है? आज की आजादी, जहां तन के साथ-साथ मन भी आजाद है, सब कुछ करने के लिए, चाहे वह वतन के लिए अहितकारी ही क्यों न हो, या उस तरह की आजादी, जहां वतन के लिए अहितकारी हर कदम पर बंदिश हो। आज की आजादी, जहां स्वहित राष्ट्रहित से सर्वोपरि होकर देशप्रेम की भावना को लीलता जा रहा है, या वह आजादी, जहां राष्ट्रहित की भावना सर्वोपरि स्वरूप धारण करते हुए देश को आजाद कराने में गुमनाम लाखों शहीदों के मन में उपजे देशप्रेम का जज्बा सभी में फिर से जागृत कर सके। इस तरह के परिवेश पर सभी देशवासियों को आजादी के इस पावन पर्व पर सच्चे मन से मंथन कर सही दिशा में संकल्प लेने की भावना जागृत करनी होगी, तभी आजादी के वास्तविक स्वरूप को परिलक्षित किया जा सकेगा।

(लेखक 32 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

धर्म जीवन

आचार्य रजनीश ओशो

पृथ्वी के नीचे दबे हुए, पहाड़ों की कंदराओं में छिपे हुए, समुद्र की तलहटी में खोजे गए ऐसे बहुत से पशुओं के अस्थिपंजर मिले हैं, जिनका अब कोई भी निशान शेष नहीं रह गया। वे कभी थे। आज से दस लाख साल पहले पृथ्वी बहुत से सरीसृपों से भरी थी, सरकने वाले जानवरों से भरी थी, लेकिन आज हमारे घर में छिपकली के अतिरिक्त उनका कोई प्रतिनिधि नहीं रह गया है। छिपकली भी बहुत छोटा प्रतिनिधि है। दस लाख साल पहले उसके पूर्वज हाथियों से भी पांच गुने और दस गुने बड़े थे। वे सब कहां खो गए? इतने शक्तिशाली पशु पृथ्वी से कैसे विनष्ट हो गए? किसी ने उन पर हमला किया? किसी ने एटम बम, हाइड्रोजन बम गिराया? नहीं, उनके खत्म हो जाने की बड़ी अद्भुत कथा है। उन्होंने कभी सोचा भी न होगा कि वे समाप्त हो जाएंगे। वे समाप्त हो गए अपनी संतति के बढ़ जाने के कारण! वे इतने ज्यादा हो गए कि पृथ्वी पर जीना उनके लिए असंभव हो गया। भोजन कम हुआ, पानी कम हुआ, लिविंग स्पेस कम हुई, जीने के लिए जितनी जगह चाहिए, वह कम हो गई। उन पशुओं को बिलकुल आमूल मिट जाना पड़ा! ऐसी दुर्घटना आज तक मनुष्य-जाति के जीवन में नहीं आई है, लेकिन भविष्य में आ सकती है। आज तक न आई उसका कारण यह था कि प्रकृति ने निरंतर मृत्यु को और जन्म को संतुलित रखा है। दस आदमी पैदा होते थे बुद्ध के जमाने में, तो सात या आठ व्यक्ति उसमें जन्म के बाद मर जाते थे। दुनिया की आबादी कभी इतनी नहीं बढ़ी थी कि भोजन की कमी पड़ जाए, स्थान की कमी पड़ जाए। फिर विज्ञान और आदमी की निरंतर खोज ने, और मृत्यु से लड़ाई लेने ने, वह स्थिति पैदा कर दी कि आज दस बच्चे पैदा होते हैं सुसंस्कृत, सभ्य मुल्क में, तो मुश्किल से एक बच्चा मरता। स्थिति बिल्कुल उलटी हो गई है। उम्र भी लंबी हुई। औसत उम्र अस्सी और बयासी वर्ष तक कुछ मुल्कों में पहुंच गई है। स्वाभाविक परिणाम जो होना था वह यह हुआ कि जन्म की दर तो पुरानी रही, मृत्यु की दर हमने कम कर दी। अकाल होते थे, अकाल बंद कर दिए। महामारियां आती थीं, प्लेग होता था, मलेरिया होता था, हैजा होता था, वे हमने कम कर दिए। हमने मृत्यु के बहुत से द्वार रोक दिए और जन्म के सब द्वार खुले छोड़ दिए।

विचार मंथन

इथेनॉल पर आश्रित

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

भारत तेल आयात पर अपनी निर्भरता को कम करने के साथ-साथ पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करना चाहता है, इसके लिए वह अगले साल अप्रैल से चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग के साथ पेट्रोल की आपूर्ति शुरू करेगा। इसके बाद सरकार धीरे-धीरे आपूर्ति को बढ़ाएगी। भारत ने इस साल जून में निर्धारित समय सीमा से पांच महीने पहले 10 प्रतिशत इथेनॉल के साथ मिश्रित पेट्रोल की आपूर्ति करने का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया था। तय समय से पहले 10 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग के अपने लक्ष्य को हासिल करने के बाद, अब 2025 तक पेट्रोल को 20 प्रतिशत इथेनॉल के साथ मिलाने का लक्ष्य तय किया है। 2025 तक पेट्रोल का पांचवां हिस्सा इथेनॉल से बनाया जाएगा। कुछ मात्रा में अप्रैल 2023 से उपलब्ध होगा और शेष 2025 तक मिल जाएगा। पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण के जरिए, देश 41 हजार 500 करोड़ रुपए से ज्यादा के विदेशी मुद्रा प्रभाव को बचा सकता है, 27 लाख टन के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम कर सकता है और साथ ही किसानों को 40,600 करोड़ रुपए से ज्यादा का भुगतान शीघ्रता से किया जा सकता है। 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल की आपूर्ति से अनुमानित रूप से सालाना चार अरब डॉलर की बचत होगी। हाल ही में विश्व जैव ईंधन दिवस (वर्ल्ड बायोफ्यूल डे) के मौके पर, प्रधानमंत्री मोदी ने पानीपत में 2जी इथेनॉल प्लांट का लोकार्पण किया था। प्लांट की स्थापना जैव ईंधन के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा वर्षों से उठाए गए कदमों की श्रृंखला का हिस्सा है। इसे इंडियन ऑयल द्वारा 900 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बनाया गया है और इसमें सालाना दो लाख टन चावल के भूसे को तीन करोड़ लीटर इथेनॉल में बदलने की क्षमता है। इसके अलावा, यह परियोजना हर साल तीन लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष उत्सर्जन के बराबर ग्रीनहाउस गैसों में कमी लाने में योगदान देगी। इसकी बराबरी देश की सड़कों पर सालाना लगभग 63,000 कारों को हटाने से की जा सकती है। पूरे विश्व में एथेनॉल के इस्तेमाल को प्राथमिकता दी जा रही है। एथेनॉल दोनों मामलों में एमटीबीई की तुलना में सुरक्षित है। एथेनॉल का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल पेट्रोलियम पर निर्भरता कम करने में भी मददगार होगा। इससे ऊर्जा सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा। इथेनॉल और गैसोलीन की की मौजूदा कीमतों एथेनॉल के प्रति लीटर इस्तेमाल से तेल विपणन कंपनियों को 11 रुपए की बचत होती है। इस तरह पेट्रोलियम उद्योग में अंडर-रिकवरी के भार को कम करने में भी इथेनॉल मिश्रण योजना फायदेमंद होगी। भारत में इथेनॉल का उत्पादन शीरे से किया जाता है। एथेनॉल उद्योग को बढ़ावा दिए जाने से शीरा, कृषि उत्पादों और कृषि अपशिष्ट की मांग भी बढ़ेगी। इससे किसानों की आमदनी को अतिरिक्त सहारा मिलेगा। सामान्य चीनी उत्पादन के मौसम में देश में 2.4 अरब लीटर एल्कोहल उत्पादन के लिए मोलासेस की आपूर्ति पर्याप्त होती है। पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाकर देश में हर साल एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का आर्थिक कारोबार और कीमती विदेशी मुद्रा को बचाने में मदद मिल सकती है। वर्तमान में, देश में पेट्रोल में पांच प्रतिशत इथेनॉल का ब्लेंडिंग किया जाता है। पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण और 5,000 बायोगैस संयंत्र स्थापित करने की योजना है, जिससे हम एक लाख करोड़ रुपए का आर्थिक कारोबार कर सकते हैं। वैसे तो प्रकृति ने हमें सौर ऊर्जा, नाभिकीय ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा आदि के रूप में ऊर्जा का अकूत भंडार सौंप रखा है और हम इनका उपयोग भी काफी हद तक करना सीख गए हैं। फिर भी, कई क्षेत्रों, विशेषकर यातायात के क्षेत्र में आज भी हम मुख्य रूप से जीवाश्म-ईंधन यथा कोयला एवं पेट्रोलियम पर ही निर्भर हैं। दुर्भाग्य से न तो इनका वितरण संसार के सभी देशों में एक सार है और न ही हमारे पास इनका असीमित भंडार ही है। जिस रफ्तार से उनका उपयोग हो रहा है, ये बहुत दिनों तक नहीं चलने वाले है।

सत्ता परिवर्तन

नीतीश की गुगली से बोल्ड हुई भाजपा

लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा

बिहार में अचानक हुए सत्ता परिवर्तन से भाजपा सकपका गई है। हालांकि अपनी झेंप मिटाने के लिए भाजपा के नेता कह रहे हैं कि हमें पहले से ही इस बात का आभास था कि नीतीश कुमार हमारा साथ छोड़कर राजद के साथ अपनी सरकार बनाएंगे। इसीलिए हमने उन्हें मनाने का कोई प्रयास नहीं किया। मगर ऐसी बातें कह कर भाजपा के नेता अपने मन को तसल्ली भले ही दे दें। लेकिन अंदर खाने वह नीतीश कुमार की राजनीतिक गुगली से क्लीन बोल्ड हो चुके हैं। नीतीश कुमार ने बिहार की राजनीति में भाजपा को एक बार फिर पांच साल पूर्व वाली स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। जिसकी भाजपा ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। बिहार की राजनीति में एक बात तो साफ हो गई है कि सरकार चाहे किसी भी दल की बने सत्ता की चाबी हमेशा नीतीश कुमार के पास ही रहती है। तभी तो वह आठवीं बार मुख्यमंत्री बनने में सफल हुए हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा, जनता दल यूनाईटेड (जदयू) गठबंधन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। जिसमें बड़ी मुश्किल से दोनों पार्टियों को बहुमत मिल पाया था। उस चुनाव में जहां भाजपा की ताकत में इजाफा हुआ था वही जदयू कमजोर पड़ी थी। भाजपा के विधायक 53 से बढ़कर 74 हो गए थे। वही जदयू के विधायक 71 से घटकर 43 पर आ गए थे। हालांकि बिहार में तीसरे नंबर की पार्टी होने के उपरांत भी भाजपा ने नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाया था। मगर उनके साथ अपने दो-दो उपमुख्यमंत्री बना दिए थे। इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष के पद के साथ ही मंत्रिमंडल में भी भाजपा ने अपनी हिस्सेदारी अधिक रखी थी। अपनी मर्जी के हिसाब से काम करने वाले नीतीश कुमार को उस वक्त मजबूरी में भाजपा की शर्तें माननी पड़ी थी। लेकिन मन ही मन वह भाजपा के व्यवहार से संतुष्ट नहीं थे। 2020 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की हार का सबसे बड़ा कारण बिहार के दिग्गज नेता रहे रामविलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी द्वारा चुनाव लड़ना रहा था। उस वक्त चिराग पासवान की पार्टी ने भाजपा के सामने कहीं भी अपने प्रत्याशी नहीं उतारे। जबकि जनता दल यू के प्रत्याशियों के सामने हर सीट पर चुनाव लड़ा था। जिससे वोट कटने से नीतीश कुमार को नुकसान हुआ और उनके कई प्रत्याशी चुनाव हार गए। एनडीए गठबंधन में साथ होने के उपरांत भी चिराग पासवान द्वारा नीतीश कुमार के खिलाफ चुनाव लड़ने को नीतीश कुमार भाजपा की कारस्तानी ही मानते थे।

कई अवसरों पर नीतीश कुमार ने अपनी बात का इजहार करते हुए कहा भी था कि यदि भाजपा के बड़े नेता चाहते तो पासवान चुनाव मैदान में हट सकता था। मगर भाजपा के बड़े नेता उन्हें कमजोर करने के लिए ही पासवान को सह देते रहे थे। इसी के चलते चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी ने 134 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़कर मात्र एक बेगूसराय जिले की मतीहानी सीट मात्र 303 वोटों से जनता दल यू प्रत्याशी को हराकर जीत पाई थी। लेकिन लोजपा 23 लाख 82 हजार 739 यानी 5.59 प्रतिशत वोट ले गई। जिसका सीधा नुकसान जेडीयू को उठाना पड़ा था। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जहां 110 सीटों पर चुनाव लड़ कर 82 लाख 2 हजार 67 वोट यानी 19.46 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। वहीं नीतीश कुमार की जदयू ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ कर महज 64 लाख 50 हजार 179 यानी 15.39 प्रतिशत मत ही प्राप्त कर पाई थी। वहीं राष्ट्रीय जनता दल ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ कर 75 सीटों के साथ 97 लाख 38 हजार 855 वोट यानी 23.11 प्रतिशत मत प्राप्त किया था। आरजेडी के साथ महागठबंधन में शामिल कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़कर महज 19 सीटें ही जीत सकी थी। कांग्रेस को 39 लाख 95 हजार 319 यानी 9.48 प्रतिशत मत मिले थे। नीतीश कुमार का मानना था कि भाजपा अंदर ही अंदर उनकी पार्टी को कमजोर करके उनके वोट बैंक पर अपना प्रभाव जमा रही है।

आजादी के जश्न से विकसित भारत की शुरुआत

लेखक- ललित गर्ग

‘विकसित भारत’ की थीम के साथ इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस भारत की भावी दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व गुरु बनाने एवं दुनिया की तीसरी आर्थिक महाताकत बनाने का आह्वान होगा।

भारत का स्वतंत्रता दिवस आजादी अमृतकाल के कालखंड के सन्दर्भ में एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति देने एवं नये संकल्प बुनने का अवसर है। यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना का स्मरण करने से कहीं ज्यादा है, यह भारत की चिरस्थायी भावना, समृद्ध विरासत और इसकी विविध आबादी को जोड़ने वाली एकता का जश्न है। यह स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों का सम्मान करने, पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई प्रगति का जश्न मनाने और निरंतर विकास और समृद्धि से भरे भविष्य की आशा करने का दिन है। ‘विकसित भारत’ की थीम के साथ इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस भारत की भावी दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व गुरु बनाने एवं दुनिया की तीसरी आर्थिक महाताकत बनाने का आह्वान होगा। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है। कोई भी विकसित होता हुआ देश किन्हीं समस्याओं पर थमता नहीं है। समाधान तलाशते हुए आगे बढ़ना ही जीवंत एवं विकसित देश की पहचान होती है।

स्वतंत्रता दिवस का एक दुर्लभ अवसर है जो इस बात विश्लेषण करता है कि हम कहां से कहां तक पहुंच गए। अंतरिक्ष हो या समंदर, धरती हो या आकाश, देश हो या दुनिया आज हर जगह भारत का परचम फहरा रहा है, भारत ने जितनी प्रगति की है उसे देखकर हर देशवासी को भारतीय होने का गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं है, इसकी चर्चा करना राजनीतिक नहीं, भारत की सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक समृद्धि का बखान है। केवल अपना उपकार ही नहीं परोपकार भी करना है। अपने लिए नहीं दूसरों के लिए भी जीना है। यह हमारा दायित्व भी है और ऋण भी, जो हमें अपने समाज और अपनी मातृभूमि को चुकाना है। भारत तो अतीत से विश्व को परिवार मानता रहा है, तभी उसने वसुधैव कुटुंबकम् का मंत्र उद्घोष किया। मोदी ने अतीत की उसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए विश्व को अपना परिवार मानने की भावना का परिचय बार-बार दिया है। हम भारत के लोग विश्व मंगल की कामना की पूर्ति तभी अच्छे से कर सकते हैं जब पहले राष्ट्र मंगल की भावना से ओतप्रोत हों। इसके लिये जो अतीत के उत्तराधिकारी और भविष्य के उत्तरदायी है, उनको दृढ़ मनोबल और नेतृत्व का परिचय देना होगा, पद, पार्टी, पक्ष, प्रतिष्ठा एवं पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर राष्ट्रीयता को जीना होगा। यही भावना सबल, सक्षम और समरस राष्ट्र बनाएगी और विश्व में भारत का मान बढ़ाएगी, इसी से भारत विश्वगुरु बनेगा।

अनेक विशेषताओं एवं विलक्षणओं वाले प्रधानमंत्री ने जमीन से जुड़ी प्रतिभाओं को पद्म सम्मान देकर भी भारत के जन-जन को उचित सम्मान देने की परम्परा का सूत्रपात किया है। आज जबकि भारत अपने पडोसी राष्ट्रों की अस्थिर, अराजक एवं हिंसक घटनाओं से घिरा है, जब प्रधानमंत्री ने यह भरोसा दिलाया कि अनेक चुनौतियों के बावजूद भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, सुरक्षित और विकसित राष्ट्र का सपना साकार करने को तत्पर है। ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास’ के मूल मंत्र को साकार करते हुए मोदी देश की तकदीर एवं तस्वीर बदलने में जुटे हैं। इससे यह तो साफ हो गया कि वे इन बुराइयों से निपटने और उनके खिलाफ जनमत का निर्माण करने के लिए अपने तीसरे कार्यकाल में संकल्प ले चुके हैं। उन्होंने राजनीति ही नहीं बल्कि जन-जन में व्याप्त होते भाई-भतीजावाद एवं परिवारवाद जैसी अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं को देश के लिये गंभीर खतरा बताया। इस बार मोदी ने देश के सामने कुछ ऐसी बड़ी चुनौतियों को रेखांकित किया, जिसे लेकर विपक्ष की भृकुटि कुछ तन गई है। उनके राष्ट्र-संकल्पों में ऐसी किरणे हैं, जो सूर्य का प्रकाश भी देती है और चन्द्रमा की ठण्डक भी। और सबसे बड़ी बात, वह यह कहती है कि फ्अभी सभी कुछ समाप्त नहीं हुआफ्। अभी भी सब कुछ ठीक हो सकता है।फ्

आधारभूत ढांचों का विकास किसी देश की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण है। स्वतंत्रता के बाद से अब तक भारत ने आधारभूत ढांचों के विकास की कहानी भारत की कुशल नीतियों को बयां करती है। भारत बुनियादी ढांचों के विकास में अब वैश्विक स्तर छू रहा है। भारत दुनिया में बिजली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। बिजली की औसत उपलब्धता ग्रामीण क्षेत्रों में 20.5 घंटे और शहरी क्षेत्रों म ` 23.5 घंटे तक पहुंच गई है। ट्रांसयूनियन सीआईबीआईएल की एक रिपोर्ट के अनुसार 2025 तक इंटरनेट के कुल नये यूजर में ल ग भ ग 5 6 फीसदी ग्रामीण भारत से होंगे। जनधन खाता सरकारी योजना के लाभार्थियों के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का एक प्रमुख उपकरण बन गया है। आजादी के पहले पर्यटन जहां तीर्थाटन और देशाटन तक सीमित था, आजादी के बाद व्यवस्थित उद्योग के रूप में विकसित होना शुरू हुआ। आज स्थिति यह है कि पर्यटन के मानचित्र में भारत एक प्रमुख देश के तौर पर दर्ज है। लगातार हुए सरकारी प्रयासों के फलस्वरूप यह उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा संबल भी बना है। हालांकि अभी ऊंचाइयां छूना बाकी है, पर प्रगति की तेजी उल्लेखनीय है।

प्रधानमंत्री देश में आतंकवादी वारदातें कम करने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, सरकार के ईमानदारी और पारदर्शिता से काम करने के संकल्पों के साथ आगे बढ़ते हुए गरीबों के कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा धन खर्च कर रहे हैं और 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। निश्चित ही भारत से गरीबी दूर हो रही है। देशवासियों को इस बात का अहसास होने लगा है कि जब देश आर्थिक रूप से मजबूत होता है तो तिजोरी ही नहीं भरती बल्कि देश का सामर्थ्य भी बढ़ता है। मोदी देशवासियों से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ लड़ने का आह्वान करते हुए राष्ट्र को सबल एवं सक्षम बना रहे हैं। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है। हमें जीवन का एक-एक क्षण जीना है- अपने लिए, दूसरों के लिए यह संकल्प सदुपयोग का संकल्प होगा, दुरुपयोग का नहीं। बस यहीं से शुरू होता है नीर-क्षीर का दृष्टिकोण। यहीं से उठता है अंधेरे से उजाले की ओर पहला कदम। वाकई देश में सबको अपना कर्तव्य निभाना होगा। प्रधानमंत्री ने उचित ही कहा है कि यदि सरकार का कर्तव्य है- हर समय बिजली देना, तो नागरिक का कर्तव्य है- कम से कम बिजली खर्च करना। अगर हमने इन संकल्पों को गंभीरता से लिया, तो भारत को विश्वगुरु होने से कोई नहीं रोक सकेगा।एक बार फिर प्रधानमंत्री ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस की थीम ‘विकसित भारत’ है। यह थीम 2024 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के सरकार के दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह थीम बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्योग, विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करती है। इसकी संपूर्ण झलक हमें कालजयी नेतृत्व मोदी की कार्य-योजना एवं नीतियों मिलती है जो 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने का रोडमैप है। जब मोदी का रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म अब देश की कार्यसंस्कृति का हिस्सा बन गए हैं। इनके चलते नीतिगत स्थिरता, बेहतर समन्वय और ईज आफ डूइंग बिजनेस की स्थिति बनेगी। यह विषय आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है तथा एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करता है जहां प्रत्येक नागरिक उन्नति कर सके। यह एक समृद्ध, समावेशी और लचीले भारत के निर्माण की सामूहिक आकांक्षा को दर्शाता है, जो आधुनिक प्रगति को अपनाते हुए अपनी समृद्ध विरासत का जश्न मनाएगा। इससे भारत एक आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित होगा।

स्वतंत्रता पर्व - कुछ दोहे

लेखक- ओम वर्मा

बीत गए इतने बरस, हुए देश आज़ाद।
किसने दी कुर्बानियाँ, किसको मिला प्रसाद॥
आज़ादी के बाद से, दिखा हमें यह रूप।
बड़े भवन कुछ खा गए, कुटियाओं की धूप॥
आज़ादी के बाद से, हुई कहीं पर चूक।
हाथ कबूतर छोड़कर, थाम रहे बंदूक॥
जाति-धर्म के अश्व की, खींचे कौन लगाम।
तन से हम आज़ाद हैं, मन से मगर ग़ुलाम॥
आज़ादी के बाद से, यों बदला परिवेश।
शूर्पणखा सा हो गया, जनकसुता का देश॥
सारे रक्षा उपकरण, करो स्वयं निर्माण।
एकलव्य ने खुद किए, निर्मित अपने बाण॥
पीढ़ी दर पीढ़ी नहीं, चले किसी का राज।
ऐसे पाठ पढ़ाइए, विद्यालय में आज॥
आज़ादी के बाद कुछ, यों आए तूफान।
हर दल इक दलदल हुआ, डूबे सब अरमान॥
कल वे करते आज ये, बंद और घेराव।
आज़ादी के बाद से, यही हुआ बदलाव॥
आज़ादी के बाद बस, हुई उन्हीं की ऐश।
लाठी जिनके पास है, या रखते जो ‘कैश’॥
आज़ादी के बाद जो, धरी रही उम्मीद।
रोज़े तो हमने रखे, मना रहे वे ईद॥

(गीत) हिंदुस्तान हमारा

(लेखक- प्रो.शरद नारायण खरे)

गंगा-यमुना-सी नदियों की,बहे जहाँ शुचि धारा।
वन,उपवन,हिमगिरि से शोभित,हिन्दुस्तान हमारा।।
होली-दीवाली मनते हैं,जहाँ खुशी के मेले।
जहाँ तीज-त्यौहार सभी ही,सचमुच हैं अलबेले।
ईदों में हिन्दू शामिल हैं,मुस्लिम नवरातों में।
हिन्दू,मुस्लिम,सिख,ईसाई मिलकर उल्लासों में।।
रातें उजली नित्य हो रहीं,दूर भगे अँधियारा।
वन,उपवन,हिमगिरि से शोभित,हिन्दुस्तान हमारा।।
ताजमहल में भाव भरे हैं,मीनारों में गुरुता।
धर्म सिखाता है हम सबको,विनत भाव अरु लघुता।
गीता की वाणी में देखो,भरी अनोखी क्षमता।
संतों ने सिखलाया हमको,पाना कैसे प्रभुता।।
सूरज वंदन करे हमारा,देता नित उजियारा।
वन,उपवन,हिमगिरि से शोभित,हिन्दुस्तान हमारा।।
गीत सुहाने गायक गाते,खुशबू रोज़ बिखरती।
सुनकर भजनों,आज़ानों को,बस्ती रोज़ निखरती।
खजुराहो के मंदिर करते,अद्भुत कला बयानी।
जब भी माता का जगराता,महिमा लगे सुहानी।।
रिश्तों को जोड़े नियमित ही,जहाँ प्रेम का गारा।
वन,उपवन,हिमगिरि से शोभित,हिन्दुस्तान हमारा।।
लोककलाओं ने दिल जीता,जिनकी महिमा न्यारी।
लोकगीत,साहित्य सुहाते,सारे हैं बलिहारी।
मंदिर-मस्जिद,गुरुद्वारों में,पावनता मनहारी।
खुशबू महके खेतों से नित,उत्तर केसर-क्यारी।।
दुनिया के हर सैलानी ने,भारत में दिल हारा।
वन,उपवन,हिमगिरि से शोभित,हिन्दुस्तान हमारा।।

अगस्त माह में निवेशकों के शेयर बाजार मे 17 लाख करोड रुपए डूबे

मुंबई । अगस्त माह में भारतीय निवेशकों के 17 लाख करोड़ शेयर बाजार में डूब चुके हैं। जुलाई माह में शेयर बाजार में 23 लाख करोड रुपए की संपत्ति बढ़ी थी। अगस्त माह के कुछ ही दिनों में उसमें से 17 लाख करोड रुपए निवेशक गंवा चुके हैं। 1 अगस्त को शेयर बाजार का सेंसेक्स 82129 के ऑल टाइम हाई पर था। जो अब 79000 के स्तर पर आ गया है। लिस्टेड कंपनियों की पूंजी 1 अगस्त को 462.4 लाख करोड रुपए थी। जो अब घटकर 445.3 लाख करोड रुपए रह गई है। सोमवार को शेयर बाजार तमाम उतार चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुआ था। मंगलवार का दिन शेयर बाजार के लिए अमंगल साबित हुआ। बैंकिंग, एनर्जी, मिडकैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में लगातार बिकवाली हुई। अदानी के 7शेयरों में गिरावट बनी रही। हिडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट में जिस तरह के खुलासे हुए हैं। उससे निवेशक बुरी तरह से हिल गए हैं। बाजार की विशेषज्ञों का कहना है, बाजार में डर का वातावरण बना हुआ है। निवेशक अपना स्टॉक खाली करके बाहर निकलना चाहते हैं। शेयर बाजार के ऊपर निवेशकों को विश्वास नहीं हो पा रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की वित्तीय कंपनियों की सहायता से जैसे तैसे बाजार को स्थिर रखने का प्रयास हो रहा है। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लाल किले से संबोधित करना है। जिसके लिए शेयर बाजार को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। निवेशक अब किसी जोखिम में नहीं पडना चाहते हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में अस्थिरता और मंदी की स्थिति बनी हुई है।

हयूदै क्रेटा की हर महीने हो रही है हजारों यूनिट की बिक्री

नई दिल्ली । जापानी कार निर्माता कंपनी हयूदै की शानदार फीचर्स से लैस हयूदै क्रेटा एसयूवी के तो लोग दीवाने हैं। हयूदै क्रेटा की हर महीने हजारों यूनिट की बिक्री हो रही है। बीते दिनों हयूदै ने जुलाई में बिकीं गाड़ियों के आंकड़े जारी किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने की टॉप-10 कारों में हयूदै क्रेटा एसयूवी नंबर-01 पर रही। जुलाई 2024 में इसकी 17,350 यूनिट की बिक्री हुई। वहीं पिछले साल जुलाई में इस गाड़ी की 14,062 यूनिट्स बिकीं थीं। इस तरह क्रेटा की सेल में सालाना आधार पर 23.38 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। हयूदै क्रेटा में 10.25-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, क्लाइमेट कंट्रोल पैनल, 360-डिग्री कैमरा, अडास के साथ डुअल-ज़ोन एसी, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस फोन चार्जिंग, हवादार फ्रंट सीटें और 8-स्पीकर साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं। बता दें कि हयूदै क्रेटा एसयूवी की कम कीमत और बेहतरीन फीचर्स ग्राहकों में रुझान पैदा करने के लिए काफी होते हैं।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ खुला

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार बीएसई सेंसेक्स 79,000 के करीब जबकि एनएसई निफ्टी 24,196 के शीर्ष स्तर पर आ गया। बुधवार को टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक एक फीसदी से ज्यादा बढ़े। सबसे ज्यादा बढ़त एसबीआई, सन फार्मा, टेक महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों में रही। वहीं दूसरी ओर अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर नीचे आये। सुबह गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स लगभग 24,250 स्तरों पर रहा। साप्ताहिक निफ्टी और बैंक निफ्टी एक्सपायरी के साथ ही आज बाजार में अस्थिरता बढ़ने के संकेत हैं। वहीं ब्लू-चिप शेयरों एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, टाटा मोटर्स और एसबीआई के शेयरों में गिरावट रही। विदेशी कोष की निकासी से भी बाजार में गिरावट रही। एशियाई बाजारों में आज सुबह, निक्केई 0.56 फीसदी ऊपर आया जबकि कोस्पी 1 फीसदी ऊपर आया। वहीं ताइवान ने 0.2 फीसदी की बढ़त हासिल की। अमेरिका में उम्मीद से कम मुद्रास्फीती डेटा के बाद शेयर बाजार में तेजी आयी। वहीं डॉव जोन्स 1 फीसदी ऊपर आया। नैस्डैक 2.4 फीसदी उछला और एसएंडपी 500 में 1.7 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड नीचे आकर 3.85 फीसदी पर आई। गोल्ड फ्यूचर्स 2,500 के स्तर पर बने रहे, और डब्ल्यूटीआईढ्ढ क्रूड ऑयल फ्यूचर्स 79 के करीब थी। इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ।

क्या डीजल कारों के लिए भारत में बहुत कम समय बचा

सरकार इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों की बिक्री को दे रही बढावा

नई दिल्ली ।

भारत सरकार इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों की बिक्री बढ़ाने के लिए सब्सिडी दे रही है। वहीं सरकार की ऐसी कोई भी नीति नहीं है जो डीजल कारों की बिक्री को प्रोत्साहन दे। ऐसे में कहा जा सकता है कि डीजल कारों के लिए समय बहुत कम बचा है। कई प्रतिबंधों और अधिक टैक्स के बावजूद भारतीय बाजार में आज भी डीजल कारें अच्छी संख्या में बिक रही हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह डीजल कारों का पेट्रोल कारों की तुलना में अधिक माइलेज है। इससे इनमें ईंधन की लागत कम होती है। दूसरी वजह अधिक इंजन पावर का होना है। समान मॉडल की एक डीजल कार अपने पेट्रोल मॉडल की तुलना में अधिक पॉवर और टॉर्क जनरटे करती है। बड़ी और भारी गाड़ियों में कंपनियां अक्सर डीजल इंजन का ही इस्तेमाल करती हैं। इसके अलावा डीजल इंजन अधिक टिकाऊ और लंबे समय तक चलने वाला होता है। दरअसल, डीजल कारें पावरफुल तो होती है लेकिन पेट्रोल की तुलना में अधिक प्रदूषण भी फैलाती हैं। डीजल कार के धुंए से अधिक मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर और कार्बन डाइऑक्साइड निकलता है जो स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक होता है। इस वजह से दिल्ली एनसीआर में 10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियों को बैन कर दिया गया है। सरकार प्रदूषण मुक्त भविष्य की तरफ कदम बढ़ा रही है। इस वजह से इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड गाड़ियों को अधिक प्रमोट किया जा रहा है। आने वाले समय में हाइब्रिड कारों पर जोर दिया जा सकता

है जिनमें ईंधन से चलने वाले इंजन के साथ इलेक्ट्रिक मोटर लगा होता है। ये गाड़ियां बहुत कम प्रदूषण पैदा करती हैं। इसके अलावा बायोडीजल से चलने वाली गाड़ियों पर भी जोर दिया जा सकता है। बायोडीजल एक जैव ईंधन है जिसके जलने से डीजल के मुकाबले बहुत कम प्रदूषण होता है। पिछले कुछ सालों को देखें तो डीजल कारों को लेकर दुनियाभर की सरकारें सख्त हुई हैं।

जीएसटी काउंसिल की 9 सितंबर की बैठक में टैक्स स्लैब-ड्यूटी पर होगा फैसला

नई दिल्ली । जीएसटी काउंसिल की 54वीं बैठक सोमवार 9 सितंबर को नई दिल्ली में होगी। इस बैठक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ राज्यों के वित्त मंत्री भी शामिल होंगे। यह सभी लोग बैठक में जीएसटी को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसला लेंगे। गौरतलब है` कि 1 जुलाई, 2017 को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में फैसला लेने के जीएसटी काउंसिल को लागू किया गया था। जीएसटी काउंसिल बैठक में दरों को तर्कसंगत बनाने, टैक्स स्लैब में कटौती और शुल्क में बदलाव को लेकर फैसले लेने की उम्मीद है। बैठक में जीएसटी के तहत शुल्क व्युत्क्रमण को हटाने के अलावा दरों को तर्कसंगत बनाने, कर स्लैब को कम करने पर चर्चा शुरू होने की उम्मीद है। 23 जून 2023 को हुई पिछली बैठक में निर्मला सीतारमण ने कहा था कि जीएसटी परिषद की अगली बैठक में बिहार के उपमुख्यमंत्री सुमंत चौधरी के नेतृत्व में दरों को तर्कसंगत बनाने पर मंत्रियों का समूह काम की स्थिति और इसमें शामिल पहलुओं पर एक प्रस्तुति देगा। चाहे रिपोर्ट का मसौदा हो या नहीं, फिर भी जीओएम द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। इस प्रस्तुति के बाद परिषद अगली बैठक में दरों को तर्कसंगत बनाने पर चर्चा शुरू करेगी।

एमएससीआई सूचकांक में भारत का भार पहली बार 20 फीसदी पार जाएगा

चीन और भारत के भार में महज 400 आधार अंक का अंतर

नई दिल्ली, ।

वैश्विक सूचकांक प्रदाता एमएससीआई द्वारा ताजा समीक्षा के बाद एमएससीआई (ईएम) सूचकांक में भारत का भार पहली बार 20 फीसदी पार जाएगा। इससे सूचकांक में सर्वाधिक भार वाले चीन और भारत के भार के बीच महज 400 आधार अंक का अंतर रह जाएगा। इस सूचकांक में 500 अरब डॉलर से ज्यादा की संपत्तियों वाले फंडों को ट्रैक किया जाता है। 2021 की शुरुआत में भारत का भार 9.2 फीसदी था जो चीन के 38.7 फीसदी भार के एक-चौथाई से भी कम था। 2021 से एमएससीआई इंडिया सूचकांक 84 फीसदी बढ़ा जबकि एमएससीआई चीन में करीब 50 फीसदी की गिरावट आई है। बुधवार सुबह एमएससीआई ने अपने मानक सूचकांक में सात और देसी शेयरों को शामिल करने की घोषणा की जबकि चीन के 60 शेयरों को इससे बाहर कर दिया गया। इससे दुनिया के दूसरे सबसे मूल्यवान बाजार का एमएससीआई में भार घटकर 24 फीसदी से कम रह गया है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज में वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीराम वेलायुधन ने कहा, एमएससीआई ईएम सूचकांक में भारत का भार 20 फीसदी से पार पहुंचना एक उपलब्धि है। यह वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती साख को दर्शाता है। 2017 में भारत का भार करीब आठ फीसदी था जो अब दोगुना से भी ज्यादा है। यह देश की प्रगति और अंतरराष्ट्रीय निवेशक समुदाय को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को इंगित करता है। नुवामा अल्टरनेटिव ऐंड क्वांटीटेटिव रिसर्च के प्रमुख अभिलाष पागडिया ने कहा कि एमएससीआई सूचकांक में ताजा फेरबदल से देसी बाजार में 2.7 अरब डॉलर से तीन अरब डॉलर का शुद्ध निवेश हो सकता है।

जुलाई की तेजी अगस्त में बाजार ने गंवाई.....निवेशकों को हुआ भारी नुकसान

मुंबई ।

जुलाई में शेयर बाजार ने जो बढ़त हासिल की थी, वह अगस्त के पहले दो हफ्तों में ही खत्म हो गई। सेंसक्स और निफ्टी दोनों में 3 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। सेंसेक्स में लगभग 700 अंकों और निफ्टी में 200 से ज्यादा अंकों की गिरावट हुई। अगस्त के महीने में निवेशकों को 17 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है, जबकि सिर्फ मंगलवार को ही निवेशकों के 4.48 लाख करोड़ रुपए डूब गए। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस हफ्ते शेयर बाजार कम दिन ही खुला रहेगा, इससे मुनाफावसूली का दबाव बना रह सकता है। 13 अगस्त को शेयर बाजार के आंकड़ों के आधार पर, निवेशकों को इस महीने में अब तक हुए नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकता है।मंगलवार को सेंसेक्स करीब 700 अंकों की गिरावट देखने को मिली। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार सेंसेक्स 692.89 अंकों की गिरावट के साथ 78,956.03 अंकों पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 78,889.38 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर भी पहुंचा। सुबह सेंसेक्स 79,552.51 अंकों पर ओपन हुआ था और एक दिन पहले मामूली गिरावट के साथ 79,648.92 अंकों पर बंद हुआ था। वहीं बीते दो हफ्तों की करें तब सेंसेक्स में 2,785.31 अंक यानी 3.40 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है। खास बात तो ये है कि पूरे जुलाई के महीने में सेंसेक्स में 3.42 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली थी। इसका मतलब है कि अगस्त के दो हफ्तों में ही सेंसेक्स में जुलाई की पूरी बढ़त को गंवा दिया है। निफ्टी मंगलवार को भारी गिरावट के

साथ 208 अंक टूटकर 24,139 अंकों पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 24,116.50 अंकों के लोअर लेवल तक भी गया। सुबह निफ्टी ने सपाट शुरुआत करते हुए 24,342.35 अंकों पर ओपनिंग की थी, जबकि सोमवार को यह मामूली गिरावट के साथ 24,347 अंकों पर बंद हुआ था। अगस्त के महीने में निफ्टी में अब तक 812.15 अंकों (3.25 प्रतिशत) की गिरावट दर्ज की गई है। इसके विपरीत, जुलाई के महीने में निफ्टी ने निवेशकों को 3.92 प्रतिशत यानी 940.55 अंकों की बढ़त दिलाई थी। इसके साफ है कि अगस्त में निफ्टी ने जुलाई में हासिल की गई 86 प्रतिशत से ज्यादा बढ़त को गंवा दिया है।इसका मतलब है कि बीएसई के मार्केट कैप में 4,48,319.04 करोड़ रुपए की कमी आई, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। अगर पूरे अगस्त महीने में निवेशकों को 17 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। इसके विपरीत, जुलाई के महीने में निवेशकों ने 23 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा कमाया था।

स्मार्टफोन रियलमी सी 63 5जी लॉन्च

लंबे समय तक चल सकती है इसकी बैट्री

नईदिल्ली।

चाइनीज कंपनी रियलमी ने स्मार्टफोन रियलमी सी 63 5जी लॉन्च कर दिया है। इस फोन की शुरुआती कीमत 10,999 रुपये में रखी गई है। फोन में मीडियोटेक डायमेंसिटी 63005जी चिपसेट और 120 एचझेड का रिफ्रेश रेट मिलता है। इस फोन की पहली सेल 20 अगस्त को फ्लिपकार्ट और ऑफिशियल वेबसाइट पर रखी जाएगी। अच्छी बात ये है कि इंट्रोडक्ट्री ऑफर के तहत इस फोन पर कुछ बैंक ऑफर के तहत 1,000 रुपये का डिस्काउंट भी पाया जा सकता है। फोन में 10 वॉट फास्ट चार्जिंग, और 5000 एमएएच की बैटरी दी जाती है। रियलमी सी63 5जी में 6.67-इंच का एचडी+ (720म1,604 पिक्सल) डिस्प्ले दिया जाता है, जिसमें 120एचझेड रिफ्रेश रेट, 625 नीटस की पीक ब्राइटनेस, 89.97 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बॉडी रेशियो और 240 एचझेड टच सैंपलिंग रेट दिया जाता है। ये फोन एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड रियलमी यूआई 5.0 पर काम करता है और कंपनी फोन के लिए तीन साल के सिक्योरिटी अपडेट और दो साल के सॉफ्टवेयर अपडेट का वादा कर रही है। ये फोन 128जीबी तक इनबिल्ट स्टोरेज के साथ आता है जिसे माइक्रोएसडी कार्ड का उपयोग करके 2 टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। ये नया फोन 8जीबी रैम के साथ मीडियाटेक डाइमेंशन 6300 5जी चिपसेट पर काम करता है। इसमें वर्चुअल रैम की सुविधा दी जाती है, जिसकी मदद से रैम को 16जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें मिनी कैप्सूल 2.0 फीचर भी मिलता है।पावर के लिए रियलमी सी 63 5जी में 5,000 एमएएच की बैटरी दी जाती है, जो कि 10वॉट की फास्ट चार्जिंग और रिवर्स चार्जिंग सपोर्ट के साथ आता है। कहा जाता है कि बैटरी यूनिट एक बार चार्ज करने पर 29 दिनों तक का स्टैंडबाय टाइम और 40.1 घंटे तक का कॉलिंग टाइम देती है। फोन का साइज 165.6म76.1म7.9 एमएम और वजन 192 ग्राम है। कैमरे के तौर पर रियलमी के इस लेटेस्ट फोन रियलमी सी 63 5जी पर 32-मेगापिक्सल का एआई-सपोर्टेड प्राइमेरी रियर कैमरा दिया गया है। फोन के फ्रंट में सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 8 मेगापिक्सल का कैमरा मिलता है।

टाटा मोटर्स ने शुरू की विनिर्मित रेंज रोवर स्पोर्ट की आपूर्ति

मुंबई । टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर ने घरेलू बाजार में विनिर्मित रेंज रोवर स्पोर्ट की आपूर्ति शुरू करने की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि इसके साथ ही अब रेंज रोवर का पूरा खंड भारत में निर्मित हो गया है। जगुआर लैंड रोवर ने इस वर्ष मई में घोषणा की थी कि वह भारत में टाटा मोटर्स के पुणे संयंत्र में रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट का विनिर्माण करेगी। कंपनी के अनुसार पेट्रोल तथा डीजल दोनों इंजन में उपलब्ध नई रेंज रोवर स्पोर्ट की कीमत 1.40 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) है। जेएलआर इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि हम स्थानीय रूप से निर्मित रेंज रोवर स्पोर्ट की आपूर्ति शुरू कर रहे हैं। इसके साथ ही, रेंज रोवर का पूरा खंड अब भारत में बना है। स्थानीय स्तर पर अब छह वाहनों का विनिर्माण किया जा रहा है।

चना की बढ़ती कीमतों में सरकार की कोशिश के बाद भी नहीं लग रहा अंकुश

नई दिल्ली, ।

केंद्र सरकार की लाख कोशिश के बावजूद चना की कीमतों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। सरकार ने जून में चने के दाम नियंत्रित करने भंडारण सीमा लगाई थी लेकिन इसके बाद भी दाम घटने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह आठ हजार रुपए प्रति क्विंटल हो रहे हैं।दिल्ली में चना के थोक भाव सप्ताह भर में **300** रुपए बढ़कर 7,600 रुपए और महाराष्ट्र की अकोला मंडी में **7,425** रुपए क्विंटल है। चना के थोक भाव एक महीने में **600** से **700** रुपए और साल में करीब एक हजार आठ सौ से दो हजार रुपए क्विंटल बढ़ चुके हैं। चना की कीमतों में तेजी पर केंद्र सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का भी कोई असर नहीं दिख रहा है। सरकार ने 21 जून को चना की कीमतों में आ रही तेजी थामने के लिए भंडारण सीमा लगाई थी लेकिन इसके बाद भी चना के दाम **500** रुपए क्विंटल बढ़ गए।कमोडिटी विश्लेषक ने बताया कि इस साल चना के उत्पादन में कमी आई है। इससे चना की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। हाल में आई तेजी की वजह त्योहारी मांग भी है।एक रिपोर्ट के मुताबिक त्योहारों में बेसन बढ़ती मांग से चना की कीमतों में तेजी आई है। स्टॉकिस्टों को अभी और तेजी की उम्मीद है। इसलिए वे आगे चना की बिकवाली कम कर सकते हैं।

साथ ही ऑस्ट्रेलिया और तंजानिया में चना के दाम बढ़ने से भी घरेलू बाजार में इसकी कीमतों में तेजी को बल मिल रहा है। ऑस्ट्रेलिया के चना का भारतीय बंदरगाह पर भाव **875** से **880** डॉलर प्रति टन यानी **7,3500** से **7,3850** रुपए प्रति क्विंटल है। जानकारों का मानना है कि सरकार भले ही **130** लाख टन चना उत्पादन का दावा करती है लेकिन इसका उत्पादन **100** लाख से ज्यादा नहीं है। इसलिए इसके भाव आठ हजार रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच रहे हैं।

फर्स्टक्राई के आईपीओ से हुई सचिन और रतन टाटा पर रुपयों की बारिश

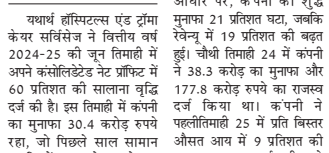

नईदिल्ली, ।

फर्स्टक्राई के आईपीओ से पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और जाने माने उद्योगपति रतन टाटा ने जमकर कमाई की है। इस आईपीओ की लिस्टिंग के बाद रतन टाटा का पैसा पांच गुना बढ़ा जबकि सचिन तेंदुलकर को 40 फीसदी का रिटर्न मिला है। दरअसल रतन टाटा, सचिन तेंदुलकर, हर्ष मारीवाला, रंजन नई और कंवलजीत सिंह जैसे लोगों ने इस कंपनी में आईपीओ आने से पहले पैसा लगाया था। मंगलवार को फर्स्टक्राई के शेयर बाजार में 651 रुपए पर लिस्ट हुए। आईपीओ में शेयरों का प्राइस बैंड 440-465 रुपए था। इस लिहाज से आम निवेशकों को पहले दिन ही 40 फीसदी से ज्यादा मुनाफा मिला।फर्स्टक्राई के शेयर लिस्टिंग के दिन 673.45 रुपए के भाव पर बंद हुए, जो इश्यू प्राइस से 45 फीसदी ज्यादा है। लिस्टिंग के बाद सचिन तेंदुलकर और अन्य प्रमुख निवेशकों ने 487.44 रुपए के खरीद मूल्य से 38 फीसदी का लाभ कमाया। खास बात है कि सभी इन्वेस्टर्स कंपनी में अपनी हिस्सेदारी रखना चाहते हैं। सचिन ने इस कंपनी में आईपीओ से पहले पैसा लगाया था। उन्होंने फर्स्टक्राई में 9.99 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जिसकी कीमत लिस्टिंग के बाद 13.82 करोड़ रुपए हो गई। वहीं, रतन टाटा के पास भी आईपीओ से पहले फर्स्टक्राई के 77,900 शेयर थे, जिन्हें उन्होंने 84.72 रुपए प्रति शेयर के एवरेज प्राइस पर खरीदा था। आईपीओ की लिस्टिंग के साथ ही रतन टाटा ने अपने निवेश का पांच गुना से ज्यादा रिटर्न हासिल कर लिया है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि उन्होंने लिस्टिंग के दौरान कितने शेयर बेचे हैं।

बता दें कि बेबी प्रोडक्टस बेचने वाली फर्स्टक्राई की पैरेंट कंपनी ब्रेनबीज सॉल्युशंस के शेयर मंगलवार को लिस्ट हुए। कंपनी का आईपीओ को 12.22 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। कंपनी आईपीओ से हासिल रकम का इस्तेमाल 'बेबीहग' ब्रांड के तहत स्टोर खोलने, सब्सिडरी कंपनियों में निवेश समेत सेल्स और मार्केटिंग से जुड़े कामों के लिए करेगी।

यथार्थ हॉस्पिटल्स एंड ट्रॉमा केयर सर्विसेज का मुनाफा बढ़ा

मुंबई ।

यथार्थ हॉस्पिटल्स एंड ट्रॉमा केयर सर्विसेज ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की जून तिमाही में अपने कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट में 60 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की है। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 30.4 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल सामान अवधि में 19 करोड़ रुपये था। अस्पताल का संचालन से होने वाला रेवेन्यू पहली तिमाही 25 में बढ़कर 211.8 करोड़ हो गया, जो कि पहली तिमाही 24 में 154.5 करोड़ था। यह साल-दर-साल 37 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी का ईबीएट (ब्याज, टैक्स, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) जून तिमाही में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़कर 53.7 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, ईबीएट मार्जिन 25.3 प्रतिशत रहा, जो पहली तिमाही 24 में 26.8 प्रतिशत था। कंपनी के बयान के अनुसार, यथार्थ के नए फरीदाबाद अस्पताल में हुए ऑपरेटिंग नुकसान की वजह से मुनाफे की दर में गिरावट आई है।क्रमिक आधार पर, कंपनी का शुद्ध मुनाफा 21 प्रतिशत घटा, जबकि रेवेन्यू में 19 प्रतिशत की बढ़त हुई। चौथी तिमाही 24 में कंपनी ने 38.3 करोड़ का मुनाफा और 177.8 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया था। कंपनी ने पहलीतिमाही 25 में प्रति बिस्तर औसत आय में 9 प्रतिशत की सालाना बढ़त दर्ज की, जो 30,551 रही। जून तिमाही में बिस्तरों का उपयोग 61 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो पिछले साल इसी अवधि में 51 प्रतिशत था।यथार्थ हॉस्पिटल्स के जून तिमाही के नतीजों पर टिप्पणी कर कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक ने कहा कि ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी यथार्थ हॉस्पिटल्स की बढ़ती और कुल ऑक्यूपेंसी के प्रमुख कारक बने हुए हैं। उन्होंने कहा, इस तिमाही में हमने तीन नए महत्वपूर्ण प्रबंधन कर्मियों को शामिल किया है, ताकि हमारी वित्तीय टीम और मजबूत हो, नकदी प्रवाह और बैलेंस शीट में सुधार हो, और हमारी विस्तार योजना को आगे बढ़ाया जा सके।

एप्पल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की जैकेट 63 लाख में होगी नीलाम!

नई दिल्ली ।

एप्पल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की जैकेट 63 लाख में होने जा रही है। ये लेदर की एक जैकेट काफी फेमस हुई थी। यह जैकेट उन्होंने 1983 में पहनी थी। हालांकि इसकी फोटो कई साल बाद सामने आई थी। उस फोटो में जैकेट के साथ एक और खास बात थी। स्टीव जॉब्स अब इस दुनिया में हैं, लेकिन उनकी इस जैकेट और फोटो की चर्चा अभी भी हो जाती है। स्टीव जॉब्स की बॉम्बर स्टाइल वाली वह जैकेट अब नीलाम होने जा रही है।जैकेट का फोटो को साल 2011 में मैकिन्टोश की डिवेलपमेंट टीम के सदस्य एंडी हट्ज़र्जफेल्ड ने ऑनलाइन पोस्ट किया था। इस फोटो को पोस्ट करते हुए हट्ज़र्जफेल्ड ने लिखा था, दिसंबर 1983 में मैक लॉन्च से कुछ हफ्ते पहले हम न्यूजवीक से मिलने के लिए न्यूयॉर्क सिटी गए। न्यूजवीक मैक पर एक कवर स्टोरी करने का प्लान कर रहा था। यह तस्वीर उस समय हमारे साथ घूम रहे एक वाइल्ड फोटोग्राफर ने ली थी। आरआर ऑक्शन द्वारा आयोजित इस नीलामी में स्टीव जॉब्स की अन्य यादगार चीजों की भी नीलामी की जाएगी। इनमें पर्सनल चेक, पोलरॉइड और एक ऑरीजिनल 4जीबी का आईफोन भी शामिल है।अब तक स्टीव जॉब्स से जुड़ी कई चीजों की नीलामी हो चुकी है। इनमें वे चीजें भी शामिल हैं जो उन्होंने इस्तेमाल की थीं या जिन पर साइन किए थे। इन चीजों को काफी महंगे दाम पर नीलाम किया गया है। अब यह जैकेट भी नीलाम होगी। माना जा रहा है कि यह जैकेट 75 हजार डॉलर (करीब 63 लाख रुपये) में नीलाम हो सकती है। यह जैकेट बोस्टन स्थिति आरआर एक्शन की ओर से नीलाम की जाएगी। स्टीव जॉब्स ने इस जैकेट को साल 1983 में पहना था। इस जैकेट को पहनकर स्टीव जॉब्स ने न्यूयॉर्क सिटी में आईबीएम के साइन नीचे खड़े होकर फोटो खिंचवाई थी। इस फोटो में वह आईबीएम साइन की ओर उंगली करते हुए दिखाई दे रहे हैं। साल 2011 में यह फोटो सबसे सामने आई थी। जैसे ही यह फोटो लोगों के सामने आई, बहुत तेजी से फेमस हो गई। इस फोटो के साथ स्टीव जॉब्स की जैकेट के भी चर्चे शुरू हो गए थे।

विनेश पर खेल पंचाट का फैसला 16 अगस्त तक के लिए टला

-फैसला हमारे पक्ष में आयेगा : महावीर फोगाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को लेकर खेल पंचाट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) का फैसला टल गया है। विनेश को पेरिस ओलंपिक फाइनल से पहले केवल 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इसके खिलाफ विनेश ने खेल पंचाट में अपील की थी। विनेश की ओर से कहा गया है कि वह सेमीफाइनल जीती थी इसलिए उसे संयुक्त रुप से रजत पदक दिया जाना चाहिये। इसी को लेकर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कहा है कि अब यह फैसला 16 अगस्त को शाम 9 बजकर 30 मिनट पर दिया जाएगा। वहीं इस फैसले के लगातार टलने को लेकर

विनेश के ताऊ और दिग्गज पहलवान महावीर फोगाट ने कहा, हम लोग 5 से 6 दिनों से रोज इस फैसले का इंतजार कर रहे हैं। इसमें हमें तारीख पर तारीख मिलती जा रही है। एक तरफ खुशी होती है कि फैसला हमारे पक्ष में आ सकता है, तो दूसरी तरफ फैसला टलने की बात सामने आती रहती है। फिर भी, हमें उम्मीद है कि फैसला हमारे पक्ष में ही आएगा। सीएएस जो भी फैसला सुनाएगी, हम उसे दिल से स्वीकारेंगे। उन्होंने आगे कहा, हमें उम्मीद है कि विनेश को उसका अधिकार दिया जाएगा। इस फैसले का इंतजार 140 करोड़ लोग कर रहे हैं। विनेश जब भारत लौटकर आएगी तो लोग स्वर्ण विजेता की तरह उनका स्वागत करेंगे।

बार-बार फैसला टलने को लेकर उन्होंने कहा, बार-बार फैसला टलने से परेशानी तो होती है पर साथ ही उम्मीद भी बढ़ती है। तारीख पर तारीख आ रही है, हालांकि हमें लगता है देरी का कारण सकारात्मक भी हो सकता है। इंतजार की घड़ियां बहुत कठिन होती हैं। हम मंगलवार को झंडे, पटाखे, मिठाई के साथ विनेश के पक्ष में फैसला आने का इंतजार कर रहे थे। महावीर फोगाट ने बताया कि उनकी अभी विनेश या उनके पति से कोई बातचीत नहीं हुई है। वह पिछले चार-पांच दिनों से सिर्फ सीएएस के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। उनका पूरा ध्यान इसी पर है। सीएएस द्वारा फैसला स्थगित करने से पहले भी महावीर फोगाट ने विनेश के अधिकार में निर्णय आने की उम्मीद जताई थी। उन्होंने कहा था कि वह विनेश को संन्यास वापस लेने के लिए मनाएंगे और 2028 ओलंपिक में भाग लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

रवि शास्त्री ने की भविष्यवाणी, ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतने की हैट्रिक बना सकता है भारत

दुबई (एजेंसी)। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री को लगता है कि भारत अपने बेहतरीन गेंदबाजी स्तर तथा रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे मजबूत बल्लेबाजी लाइन अप को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखलाओं की जीत की हैट्रिक लगाने में सक्षम है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो टेस्ट श्रृंखला जीतकर प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्राफी पर कब्जा बना रखा है जबकि आस्ट्रेलिया ने 2015 के शुरु में घरेलू श्रृंखला में 2-0 से जीत हासिल की थी। शास्त्री ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, 'जसप्रीत बुमराह फिट हैं, मोहम्मद शमी फिट हैं, आपके पास मोहम्मद सिराज भी है। आपके पास रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी और कुछ अच्छी 'बेंच स्ट्रेंथ' भी है। इस श्रृंखला के शुरु होने के लिए बेताब हैं और मुझे लगता है कि भारतीय टीम आस्ट्रेलिया में श्रृंखलाओं की जीत की हैट्रिक लगा सकती है।'

ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने हाल में भविष्यवाणी की थी कि उनका देश यह श्रृंखला 3-1 से जीतेगा लेकिन शास्त्री ने कहा कि भारतीय गेंदबाज अपना काम बखूबी कर सकते हैं तो बशर्ते उनके बल्लेबाज चुनौती के लिए तैयार रहें। शास्त्री ने कहा, 'यह एक बेहतरीन श्रृंखला होने जा रही है और भारत के पास हैट्रिक बनाने का पूरा मौका है क्योंकि उनके गेंदबाज फिट हैं और अगर वे अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं तो वे ऑस्ट्रेलिया को एक बार फिर हरा सकते हैं।'

भारत इस साल ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेगा जिसकी शुरुआत पर्थ में टेस्ट मैच से होगी। पैट कमिंस की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम पिछले साल 'द ओवल' में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान रोहित शर्मा की टीम से बदला लेने के बाद इस श्रृंखला के लिए उत्साहित है और शास्त्री को लगता है कि घरेलू टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को फिर हासिल करने के लिए बेताब होगी। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी एक रोमांचक मुकाबला होने जा रहा है।'

बेट्स, कीथ थॉमसन सहित कई क्रिकेटरों ने ओलंपिक में खेले हैं दूसरे खेल

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। अगली बार अमेरिका के लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट के मुकाबले भी देखने को मिलेंगे। लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट के ये सभी मुकाबले टी20 प्रारुप में खेले जाएंगे। इससे पहले 1900 में भी क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किया गया था पर बाद में बाहर कर दिया गया। 1900 के बाद क्रिकेट कभी ओलंपिक का हिस्सा नहीं रहा हालांकि कुछ तब के कुछ क्रिकेटरों ने ओलंपिक में अन्य खेलों में भी भाग लिया था और ये विजेता भी रहे थे।

सूज बेट्स : न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर सूजी बेट्स ने 2008 के बीजिंग ओलंपिक में न्यूजीलैंड की बास्केटबॉल टीम से खेला था। बेट्स टी20 और वनडे की दुनिया की बेहतरीन क्रिकेटरों में होती है। 36 साल की बेट्स अभी भी क्रिकेट में सक्रिय हैं। दाएं हाथ की बैटर और मध्यम गति की बॉलर के तौर पर उन्होंने अब तक 163 एकदिवसीय और 162 टी20 खेले हैं

कीथ थॉमसन: न्यूजीलैंड के कीथ थॉमसन ने 1968 में भारत के खिलाफ दो टेस्ट खेले और 94 रन बनाने के अलावा एक विकेट हासिल किया। इसके बाद वे म्यूनिख ओलंपिक 1972 में न्यूजीलैंड की हॉकी टीम के शामिल रहे।

क्लाउड बकेनहैम: क्लाउड बकेनहैम क्रिकेट से अलावा किसी अन्य गेम में ओलंपिक में भाग लेने वाले पहले क्रिकेटर हैं। साल 1900 के ओलंपिक में हालांकि क्रिकेट का खेल शामिल था पर बकेनहैम ने इन खेलों में ब्रिटेन की ओर से फुटबॉल खेला। ब्रिटेन ने ओलंपिक में तब फुटबॉल में स्वर्ण जीता। बकेनहैम ने बाद में 1910 में तेज गेंदबाज के तौर पर इंग्लैंड के लिए चार टेस्ट खेले और 21 विकेट हासिल करने के अलावा 43 रन बनाए।

जॉनी डगलस : 1908 के लंदन ओलंपिक में जॉनी डगलस ने मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीता। ऑलराउंडर डगलस ने बाद में इंग्लैंड की ओर से 23 टेस्ट मैच (1911-1925) खेले और 29.15 के औसत से 962 रन बनाए जिसमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल थे।

जैक मैकब्रायन : जैक मैकब्रायन वर्ष 1920 के एंटवर्प ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाली ब्रिटेन की हॉकी टीम के सदस्य थे। हॉकी के अलावा मैकब्रायन क्रिकेट के भी अच्छे खिलाड़ी थे और 1924 में इंग्लैंड की ओर से एक टेस्ट खेले। हालांकि इस टेस्ट में उन्हें न बल्लेबाजी का मौका मिला और न बल्लेबाजी 206 फर्स्ट क्लास मैचों में मैकब्रायन के नाम 18 शतक और 10 हजार से अधिक रन हैं।

मेरे अंदर लोगों जैसी सामान्य असुरक्षा की भावना नहीं : अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन निडर होकर जीना पसंद करते हैं। अश्विन ने कहा कि जीवन हो या क्रिकेट वह अति सुरक्षात्मक रवैया अपना पसंद नहीं करते फिर चाहे असफलता ही मिले। अश्विन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे चतुर दिमाग वाला क्रिकेटर माना जाता है। उन्होंने कहा, 'मैं बिल्कुल भी असुरक्षित नहीं हूं। मैं पूरी तरह से सुरक्षित रहने के बजाय जीवन में असफल होना पसंद करूंगा। यही मेरा चरित्र है। मेरे अंदर लोगों जैसी सामान्य असुरक्षा की भावना नहीं है।

अश्विन ने कहा, 'मैं अपनी जिंदगी जी रहा हूं, बस यह इतना ही है। मैं किसी लक्ष्य को पूरा करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मैं मौजूदा समय में रहना पसंद करता हूं। मैं आम तौर पर एक रचनात्मक व्यक्ति हूं और अगर मुझे लगता है कि मैं कुछ करना चाहता हूं, तो मैं आगे बढ़ूंगा और करूंगा। फिर चाहे यह सही हो या गलत, यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैं बाद में फैसला करना चाहूंगा।

अश्विन हालांकि हमेशा इस तरह से निडर नहीं थे। बचपन में उनके अंदर असुरक्षा की भावना थी लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, वह इससे आगे निकलने में सफल रहे। उन्हें एहसास हुआ कि ये डर उन्हें नुकसान पहुंचा रहा था। अश्विन ने कहा कि इससे निपटने के बाद वह अपनी जगह पर मजबूती से टिके रहे। इससे एक क्रिकेटर के रूप में उनके विकास में

सहायता मिली। वह अपनी आलोचनाओं को गंभीरता से लेते हुए विकेट लेकर अपनी गेंदबाजी से जवाब देते हैं। उन्होंने बाहर की बातों को अपने दिमाग पर हावी होने नहीं दिया है।

उन्होंने कहा, 'बचपन में अपनी असुरक्षा वाली मानसिकता को पीछे छोड़ने के बाद मेरी सोच बदल गई थी। मैं किसी और की असुरक्षा का फायदा उठाने के बारे में भी कभी नहीं सोचता हूं। इसी तरह मैं क्रिकेट या जीवन को सामान्य रूप से देखता हूं।

उन्होंने कहा, 'कोविड-19 संकट के दौरान लगभग हर कोई नुकसान के डर से जूझ रहा था, वह समय था जब उन्होंने जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण को नए सिरे से बदलते हुए महसूस किया कि वह जो चाहते हैं उसके लिए उनके पास केवल एक अवसर है। लॉकडाउन के दौरान अश्विन ने यूट्यूब चैनल शुरू किया। क्रिकेट, क्रिकेट कानूनों और क्रिकेटरों पर उनके स्पष्ट विचारों के अब 15 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं। उनके अनुसार यह सब निडर होने या जोखिमों के मजेदार पक्ष को देखने की क्षमता पर निर्भर करता है, जो कि 2009 में एक कैसीनो की यात्रा ने उन्हें सिखाया था।

हॉकी इंडिया ने श्रीजेश के सम्मान में 16 नंबर जर्सी रिटायर की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम के स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश के सम्मान में उनकी 16 नंबर की जर्सी को रिटायर कर दिया है। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। ओलंपिक में भारतीय टीम को पदक मिलने के साथ ही श्रीजेश ने खेल को अलविदा कह दिया था। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा है कि श्रीजेश अब जूनियर राष्ट्रीय टीम के कोच की भूमिका निभाएंगे। भोला नाथ ने श्रीजेश के सम्मान में आयोजित समारोह में कहा, 'श्रीजेश अब जूनियर टीम के कोच की जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके अलावा हम सीनियर टीम की 16 नंबर की जर्सी रिटायर कर रहे हैं पर जूनियर टीम के लिए 16 नंबर की जर्सी बनी रहेगीहै। उन्होंने कहा, 'श्रीजेश अब जूनियर टीम में दूसरे श्रीजेश को तैयार करेगा जो उनकी जर्सी पहन पायेगा।

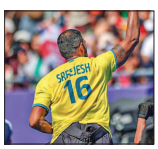

दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट के लिए दावेदारी पेश करेंगे अर्शदीप

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अब अगले माह होने वाली दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। अर्शदीप को इसमें प्रदर्शन के आधार पर टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है। अर्शदीप ने पिछले कुछ समय में सीमित ओवरों के प्रारुप में शानदार प्रदर्शन किया है। टी20 विश्वकप में भी उनकी गेंदबाजी काफी अच्छी रही थी। विश्वकप में अर्शदीप ने 17 विकेट लिए थे।

ऐसे में अटकलें हैं कि अर्शदीप को इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से टेस्ट क्रिकेट में अवसर मिल सकता है। इसी कारण उन्हें दलीप ट्रॉफी के कुछ मुकाबले खेलने को कहा गया है। अर्शदीप ने 2022 का टी20 वर्ल्ड कप भी खेला था। तब भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। उस समय इस तेज गेंदबाज ने 10 विकेट लिए थे। अब उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लिए भी देखा जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छायी बहनों की ये जोड़ियां

लंदन (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहनों की जोड़ियों ने भी खास प्रभाव दिखाया है। इन जोड़ियों में न्यूजीलैंड की केर और ऑस्ट्रेलिया की ब्लैकवेल सिस्टर्स प्रमुख हैं। ये दोनों बहनें भारत के खिलाफ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की टीम का हिस्सा रह चुकी हैं।

ब्लैकवेल बहनें : एलेक्स और केट ब्लैकवेल को ऑस्ट्रेलिया की ओर से क्रिकेट खेलने वाली पहली जुड़वां का श्रेय हासिल है। एलेक्स ने 2003 में इंटरनेशनल डेब्यू किया जबकि केट ने 2004 में। एलेक्स का करियर एक दशक से अधिक समय तक चला। दाएं हाथ की बैटर की हैसियत से वे 12 टेस्ट, 144 वनडे और 95 टी20 खेलीं. टेस्ट क्रिकेट में 444 रन, वनडे में 3492 रन और टी20 में 1314 रन उन्होंने बनाए। वनडे में वे तीन शतक भी लगा चुकी हैं। दूसरी ओर केट ब्लैकवेल का करियर चार टेस्ट, 41 वनडे और 6 टी20 के बाद ही 2008 में

समाप्त हो गया। उन्हें क्रिकेट में ज्यादा कामयाबी हासिल नहीं हो सकी।

स्कॉटलैंड की ब्रायस बहनें : कैथरीन और सारह ब्रायस स्कॉटलैंड महिला क्रिकेट टीम की अहम सदस्य हैं। बड़ी बहन कैथरीन ने 5 वनडे और 45 टी20 खेले हैं। 26 साल की इस प्लेयर ने वनडे में 60.20 के औसत से 301 रन बनाने के अलावा 5 विकेट भी लिए है। टी20I में उन्होंने 39.90 के औसत से 1197 रन बनाने के अलावा 46 विकेट भी हासिल किये। 24 साल की सारह ने विकेटकीपर बैटर की हैसियत से 5 वनडे में 171 और 54 टी20 में 1207 रन बनाए हैं।

केर बहनें : एमेलिया और जेस केर न्यूजीलैंड महिला टीम की अहम सदस्य हैं। मजे की बात यह है कि उम्र में दोनों बहनों में बड़ी जेस 26 वर्ष ने छोटी बहन एमेलिया से कम इंटरनेशनल मैच खेले हैं। 23 साल की एमेलिया ने दाएं 74 वनडे और 76 टी20 मैच खेले हैं। वनडे में चार शतकों की मदद से 2082 रन बनाने के अलावा उन्होंने 91 विकेट लिए है जबकि टी20 में 1108 रन और 73 विकेट उनके नाम पर दर्ज हैं। बड़ी बहन जेस दाएं हाथ की बैटर और मध्यम गति की बॉलर है. उन्होंने 34 वनडे और इतने ही टी20I मैच खेले हैं। वनडे में 217 रन व 43 विकेट और टी20 में 131 रन व 18 विकेट उनके नाम पर हैं।

बीसीसीआई ने बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबलों को लेकर बदलाव किया

मुम्बई।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2024-25 के लिए भारतीय टीम के कार्यक्रम में थोड़ा सा बदलाव किया है। बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एक-एक मैच का स्थल बदला गया है। इसके तहत 6 अक्टूबर 2024 को धर्मशाला में होने वाला मैच अब ग्वालियर में खेला जाएगा। इसका कारण है कि हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के ड्रेसिंग रूम को बेहतर बनाने का काम चल रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेन्नई में जबकि दूसरा मैच 27 सितंबर से कानपुर में होगा। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत ही होगी। इसके बाद भारतीय टीम एक टी20 सीरीज भी खेलेगी। इस सीरीज का पहला टी20 मुकाबला 6 अक्टूबर को ग्वालियर में जबकि दूसरा टी20 मैच 9 अक्टूबर को दिल्ली में खेला जाएगा। वहीं तीसरा टी20 मैच 12 अक्टूबर को हैदराबाद में होगा। इसके अलावा बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले और दूसरे टी20 मैचों के स्थल में भी बदलाव किया है। पहला टी20 मैच चेन्नई की जगह कोलकाता में 22 जनवरी 2025 को खेला जाएगा। दूसरा टी20 मैच 25, तीसरा टी20 मैच 28, चौथा टी20 मैच 31 और पांचवा टी20 मैच 2 फरवरी को खेला जाएगा. इसके बाद एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत होगी. भारत और इंग्लैंड के बीच एकदिवसीय सीरीज का पहला एकदिवसीय मुकाबला नागपुर में 6 फरवरी 2025 को खेला जाएगा जबकि दूसरा एकदिवसीय कटक में 9 फरवरी को खेला जाएगा।तीसरा एकदिवसीय अहमदाबाद में 12 फरवरी को होगा।

मैंने डेविस कप कोच पद से इस्तीफा दे दिया : जीशान अली

नई दिल्ली। जीशान अली ने बुधवार को घोषणा की कि उन्होंने स्टॉकहोम में स्वीडन के खिलाफ भारतीय टीम के अगले मुकाबले से पहले राष्ट्रीय डेविस कप टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। जीशान अली ने कहा, 'मैंने डेविस कप टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है।' जीशान (54 वर्ष) 2013 में नयी दिल्ली में दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले से पहले नंदन बाल की जगह टीम के कोच बने थे। उन्होंने कहा, 'मैं 11 साल से डेविस कप टीम का कोच रहा हूं। सबसे बड़ी बात मैं इस साल के शुरू में पाकिस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गये ऐतिहासिक मुकाबले में डेविस कप कप्तान भी था। मुझे नहीं लगता कि देश में इस तरह का कोई भी व्यक्ति है जिसे ये सभी तीनों चीजें करने का सम्मान मिला हो।' जीशान ने कहा, 'ऐसे भी खिलाड़ी रहे हैं जो कप्तान थे लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसे भी हालात आये होंगे जिसमें खिलाड़ी एक कोच भी था और कोच टीम का कप्तान भी था।' उन्होंने कहा, 'इसलिए मैंने ये सभी तीनों चीजें की हैं और मुझे लगता है कि जहां तक डेविस कप का संबंध है तो मैंने अभी तक दो सब हासिल कर लिया है जो हासिल किया जा सकता था। सब कहूं तो मैं कुछ समय से इसके बारे में सोच रहा था।' भारतीय टीम 14-15 सितंबर को स्टॉकहोम में हार्ड इंडोर कोर्ट में स्वीडन से भिड़ेगी।

सात साल बाद अपने घरेलू प्रदेश से खेलेगी दीप्ति

लखनऊ। महिला क्रिकेटर दीप्ति शर्मा अब सात साल बाद एक बार फिर अपने घरेलू प्रदेश उत्तर प्रदेश की ओर से खेलती नजर आयेंगी। बीच में वह बंगाल की ओर से खेलने लगीं थीं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसी साल उन्हें डिप्टी एसपी का पद दिया था। ऐसे में माना जा रहा है कि स्पिनर दीप्ति अब उत्तर प्रदेश की ओर से ही खेलना चाहती हैं। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के साथ ही दीप्ति के गृहनगर आगरा में इससे खुशी का माहौल है। साल 2017 में बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से उसे खेलने का अवसर मिला था। तब दीप्ति बंगाल चली गयी थीं। वहीं दीप्ति ने अब उत्तर प्रदेश से खेलने के लिए बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन से एनओसी मांग था जो उन्हें मिल गया है। जिससे अब उनके उत्तर प्रदेश टीम से खेलने की सभी बाधाएं समाप्त हो गयी हैं। दीप्ति अब 7 साल बाद यूपी से खेलती नजर आयेंगी। इससे प्रदेश के उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। उनका मानना है कि इससे प्रदेश की टीम बेहतर होगी।

वनडे रैंकिंग में बाबर आजम से आगे निकलने को तैयार रोहित शर्मा

पैरिस (एजेंसी)। दुबई (यूएई) -भारत के अनुभवी कप्तान रोहित शर्मा वनडे बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में बाबर आजम के करीब पहुंच गए हैं, जबकि श्रीलंका के एक सलामी बल्लेबाज ने भी अपनी जगह बनाई है। आईसीसी के अनुसार भारत और श्रीलंका के सलामी बल्लेबाजों ने अपडेट की गई आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष पर अच्छी जगह बनाई है। पाकिस्तान के बाबर आजम वनडे बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर अच्छे बढ़त बनाए हुए हैं, उनके सामने भारत के कप्तान रोहित शर्मा और श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज पथुम निसांका के रूप में कुछ नई चुनौतियां हैं। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में सर्वश्रेष्ठ 157 रन बनाने के दम पर टीम के साथी शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया और बाबर के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए जबकि निसांका ने भी उसी सीरीज में 101 रन बनाने के बाद एक स्थान की बढ़त हासिल की और आठवें स्थान पर पहुंच गए। श्रीलंका ने उस एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान 1997 के बाद पहली बार भारत को हराकर 27 साल का सूखा तोड़ा, जिसमें कुसल मेंडिस (पांच पायदान ऊपर 39वें स्थान पर) और अविष्का फर्नांडो (20 पायदान ऊपर 68वें स्थान पर) ने भी 50 ओवर के बल्लेबाजों की नवीनतम सूची में कुछ लाभ कमाया। नीदरलैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज मैक्स ओ%डॉव (10 पायदान ऊपर 54वें स्थान पर) और यूएसए के मोनंक पटेल (11 पायदान ऊपर 56वें??स्थान पर) ने भी इस सूची में जगह बनाई, जबकि यूएसए के नोस्तुश केंजीगे (10 पायदान ऊपर 49वें स्थान पर) और श्रीलंका के स्पिनर दुनिथ वेलालेज (17 पायदान ऊपर 59वें स्थान पर) गेंदबाजों की एकदिवसीय रैंकिंग में बड़े बदलावों में शामिल रहे। आईसीसी के अनुसार त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच ड्रॉ के बाद नवीनतम टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में भी कुछ बदलाव हुआ। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की और कैरेबियाई टीम के खिलाफ 86 और 15* रन की पारी खेलने के बाद टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान के सुधार के साथ 16वें स्थान पर पहुंच गए जबकि सलामी बल्लेबाज टोनी डी जोरजी ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप प्रतियोगिता की पहली पारी में शानदार 78 रन बनाने के बाद 29 स्थान के सुधार के साथ 85वें स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के नजरिए से जेसन होल्डर (तीन स्थान के सुधार के साथ 67वें स्थान पर) और एलिक अथानाजे (12 स्थान के सुधार के साथ 76वें स्थान पर) टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में आगे बढ़ने वालों में शामिल हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज टेस्ट गेंदबाजों की नवीनतम सूची में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाले खिलाड़ी रहे। महाराज ने प्लेयर ऑफ द मैच के सम्मान के रास्ते में प्रत्येक पारी में चार विकेट लिए और बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने सात स्थान के सुधार के साथ 21वें स्थान की बराबरी कर ली।

गुजरात रोलबॉल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 2024-25 का गजेरा ग्लोबल स्कूल में आयोजन किया गया

सूरत। गुजरात रोलबॉल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 2024-25; दिनांक 11 अगस्त 2024 रविवार को गजेरा ग्लोबल स्कूल, पाल-अडाजन में गुजरात रोलबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया था। खेल आमतौर पर स्केटिंग गतिविधि पर आधारित होता है। इस रोलबॉल चैंपियनशिप में क्रमशः अंडर-11 भाई-बहनों और अंडर-14 भाई-बहनों की दो (2) आयु वर्ग श्रेणियां थीं, प्रत्येक आयु वर्ग में कुल 08 टीमों यानी 350 से अधिक प्रतियोगियों ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया।

उगत-कैनाल रोड और भेसान रोड, जहांगीराबाद, सूरत-395005 के पास स्थित द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने भी भाग लिया।

जिसमें अंडर-11 भाई-बहन की टीम ने बहुत ही आकर्षक प्रदर्शन किया और विजेता बनी तथा अंडर-14 भाई-बहन की टीम ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान हासिल किया।

इसके अनुसार उक्त विद्यार्थियों ने गुजरात रोलबॉल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 2024-25 में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि का सारा श्रेय स्कूल ट्रस्टी गण, स्कूल कैंपस निदेशक, स्कूल खेल समन्वयक और स्कूल रोलबॉल कोच परेश कोठारी को जाता है; जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें विद्यालय परिवार की ओर से बधाई दी तथा उन्हें इसी प्रकार आगे भी आगे बढ़ते रहने तथा विद्यालय का नाम रोशन करने की कामना की।

अमरोली के आर.वी पटेल कॉमर्स कॉलेज में 'नृत्य महोत्सव' कार्यक्रम

सूरत। भारतीय संस्कृति और कला के संरक्षण और संस्कृत को एक स्थानीय भाषा के रूप में पुन: स्थापित करने के लिए 30 वर्षों से अमरोली, सूरत में "भरतनाट्यम नृत्य कक्षा" और "संस्कृत संचार कक्षा" चलाती शाममवि विधापीठ द्वारा 15 अगस्त की शाम 5-00 बजे च्नृत्योत्सवज्ञ कार्यक्रम में लगभग 40 छात्राएं 14 शास्त्रीय नृत्य कृतियाँ को अमरोली के आर.वी पटेल कॉमर्स कॉलेज के सभागार में प्रस्तुति देंगे।

इस कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में गुजरात राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्लभाई पांसुरिया, मुख्य अतिथि के रूप में वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के प्रभारी फुलपतिश्री डॉ. किशोर सिंह चावड़ा, उद्घाटन समारोह में सूरत नगर निगम के महापौर श्री दक्षेशभाई मावाणी, मुख्य अतिथि के रूप में जीवन जयोत ट्रस्ट-अमरोली के अध्यक्ष और सूरत मानवसेवा संघ चांचडो के भरतभाई शाह, भारतीय विद्या मंडल कामरेज चार रास्ता, सूरत के अध्यक्ष श्री अरविंदभाई भक्त, सूरत नगर निगम की अध्यक्ष श्रीमती सोनलबेन देसाई, ज्ञानज्योत विद्यालय, गोडादरा के प्राचार्य श्री लबजीभाई नकुम, मौनी इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य श्री जे.बी. पटेल, संस्कारभारती सूरत के अध्यक्ष श्री प्रियंकभाई जरीवाला, शिवांश कला अकादमी की कला गुरु श्रीमती रचनाबेन गोस्वामी, प्रतिभा नृत्य अकादमी की कला गुरु श्रीमती प्रतिभाबेन लिशारी, जीवनज्योत ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री अश्विनभाई पटेल और संस्कृत भारती सूरत के समन्वयक डॉ. सुरेशभाई अवैया उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रूपाबेन दादावाला द्वारा किया जायेगा। इस कार्यक्रम का प्रदर्शन शाममवी विद्यापीठ की कला शिक्षिका सुश्री निताबेन व्यास द्वारा किया गया है। शांभवी विधापीठ के निदेशक प्रा. भरत व्यास संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए 1990 से गुजरात के कई विद्यालयों, महाविद्यालयों और संस्थानों में संस्कृत वार्तालाप शिविर आयोजित करते हैं। उनका परिवार एक संस्कृत परिवार है। उन्हें विभिन्न संगठनों द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में और श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा सारस्वत विशिष्ट के रूप में सम्मानित किया गया है। वह इस कार्यक्रम में सरल संस्कृत भाषा में चरित्र अभिनय प्रस्तुत कर समाज को संस्कृत के प्रचार-प्रसार का संदेश देंगे। इस कार्यक्रम में करीब 250 लोग मौजूद रहेंगे.

दशामाता की 300 से अधिक अर्ध-विघटित मूर्तियों को समुद्र में पुन: विसर्जित किया गया

सूरत भुमि, सूरत। सूरत में हर साल दशामाता देवी का उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। दशा मां के प्रति लोगों की आस्था दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, लेकिन हर साल की तरह इस साल भी कुछ मूर्ख भक्तों द्वारा लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हुए शहर के विभिन्न नहरों और सार्वजनिक सड़कों पर दसमं देवी की मूर्तियां रख दी गयीं.

सांस्कृतिक संरक्षण समिति के अध्यक्ष आशीष सूर्यवंशी ने बताया कि हमारा संगठन पिछले 8 वर्षों से गणेश और दशम की ऐसी आधी विघटित मूर्तियों को सम्मान पूर्वक उठाकर पुन: समुद्र में विसर्जित करता आ रहा है। संस्था हर साल शहर में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर प्रशासन को ऐसी घटनाओं को रोकने की सलाह देती है. अब से, सूरत नगर निगम और सूरत पुलिस ने एक दिन पहले ही ऐसे स्थानों पर सुरक्षा की व्यवस्था की है और भक्तों को ऐसे स्थानों पर निर्वहन नहीं करने के लिए मना रहे हैं। लेकिन कुछ भक्त अभी भी मौके का फायदा उठाकर अपनी सुविधा के लिए देवी-देवताओं की मूर्तियों को किसी भी स्थान पर विघटित कर देते हैं।

इस वर्ष भी संस्था के अध्यक्ष आशीष सूर्यवंशी के संज्ञान में आने पर श्री माधव गौशाला एवं पशु छात्रावास के गौसेवकों तथा सूरत नगर निगम की सहायता से सीतानगर से मगोब बीआरटीएस तक के क्षेत्रों में नहरें एवं सार्वजनिक सड़कें बनाई गईं। पुनागाम, पर्वत पाटिया कैनाल रोड, भागुभाई की वाडी सरोली रोड आदि। माताजी की 300 से अधिक आधी विघटित, तैरती हुई मूर्तियों को हटा दिया गया और हजीरा समुद्र में पुन: प्रवाहित कर दिया गया।

कॉर्पोरेट जगत में लश्कर की विशेषज्ञता का लाभ उठाना: सुप्रिया की अमेज़न इंडिया में भूमिका

राष्ट्र के लिए विशिष्ट सेवा के बाद, जो लोग सेना से सेवानिवृत्त होते हैं, वे अक्सर अपनी सेवा के दौरान प्राप्त अद्वितीय कौशल और अनुभवों का लाभ उठाते हुए विभिन्न प्रकार के करियर पथ अपनाते हैं। अमेज़ॅन इंडिया में इस असाधारण प्रतिभा पूल को सैन्य सेवा से कंपनी के लिए सार्थक भूमिकाओं में सहज परिवर्तन में सहायता करने के लिए समर्पित कार्यक्रमों के माध्यम से पहचाना और लाभ उठाया जाता है। सुप्रिया की यात्रा इस बात का उदाहरण है कि इस प्रकार के परिवर्तन से कॉर्पोरेट स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान कैसे मिल सकता है, जो नवाचार को आगे बढ़ाने और नए वातावरण में सफलता प्राप्त करने में सैन्य विशेषज्ञता के मूल्य को प्रदर्शित करता है।

सुप्रिया ने भारतीय वायु सेना में अपना करियर शुरू करने से पहले इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की और अपनी सेवा के दौरान एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया। अपने जीवन से बढ़कर कुछ योगदान देने की उनकी इच्छा ने उन्हें मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट में विशेषज्ञता वाली प्रतिष्ठित भारतीय वायु सेना की तकनीकी शाखा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। अपनी भूमिका में उन्होंने सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर और बड़े पैमाने पर जटिल सर्विसिंग और रखरखाव कार्य किए। विमानन सुरक्षा में कनिष्ठ से प्रमुख आधार तक उनके करियर की प्रगति उच्च सुरक्षा मानकों को बनाए रखने में उनके असाधारण कौशल को रेखांकित करती है।

हमेशा नई चीजें सीखने के लिए तत्पर और अपनाने और अनुकूलित करने के लिए तैयार, सुप्रिया वर्ष 2021 में कार्यस्थल स्वास्थ्य और सुरक्षा (डब्ल्यूएचएस) के प्रबंधक के रूप में अमेज़ॅन में शामिल हुईं। वह भारत में अमेज़ॅन के सबसे बड़े सॉर्टिंग केंद्रों में से एक में कर्मियों और उपकरणों की परिचालन सुरक्षा के लिए जिम्मेदार थे। डेढ़ साल बाद, वह कम्युनिटी एंगेजमेंट (सीएसआर) टीम में स्थानांतरित हो गईं, जहां वह अमेज़ॅन इंडिया ऑपरेशंस नेटवर्क के लिए सामुदायिक स्वयंसेवी कार्यक्रमों की रणनीति, डिजाइन और समर्थन करती हैं। अपनी नई भूमिका में अकादमिक रूप से अद्यतन होने की खोज में, सुप्रिया ने शिक्षाविदों का अनुसरण किया और अब स्थिरता और सीएसआर के क्षेत्र में एक प्रमाणित पेशेवर है।

सेना से कॉर्पोरेट और कॉर्पोरेट से डब्ल्यूएचएस से सीएसआर तक अपने परिवर्तन पर विचार करते हुए, सुप्रिया ने कहा, "सेना में, हम पूरी तरह से अलग-अलग भूमिकाएँ निभाते हैं, जिससे बहु-क्षेत्रीय ज्ञान प्राप्त होता है जो समग्र विकास को सक्षम बनाता है। इसी तरह, अमेज़ॅन में, मजबूत आंतरिक कैरियर गतिशीलता कर्मचारियों को नौकरी परिवारों और स्थानों में उपलब्ध नौकरियों के लिए आवेदन करने की अनुमति देती है। मैं विभिन्न टीमों के साथ काम के नए क्षेत्रों के लिए तैयार था और इसलिए, मैंने अमेज़ॅन में अपने करियर का विस्तार करने के लिए इन अवसरों का लाभ उठाया।

सुप्रिया का अमेज़ॅन में शामिल होना कंपनी की 2021 में 2024 तक वैश्विक स्तर पर 100,000 दिग्गजों और सैन्य जीवनसाथियों को नियुक्त करने की प्रतिज्ञा को दर्शाता है। कंपनी ने दुनिया भर के दिग्गजों और सैन्य जीवनसाथियों के साथ जुड़कर इस प्रतिज्ञा को पूरा किया है।

फ्लिपकार्ट ने फ्लैगशिप सेल इवेंट 'क्राफ्टेड बाय इंडिया' के 8वें संस्करण के साथ देश का 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

बेंगलुरु। भारत का घरेलू ई-कॉमर्स बाज़ार, फ्लिपकार्ट, आज अपने प्रमुख बिक्री कार्यक्रम 'क्राफ्टेड बाय भारत' का 8वां संस्करण प्रस्तुत करता है, जो 15 अगस्त, 2024 से आयोजित होने वाली फ्लिपकार्ट की एक प्रमुख पहल है, जो भारत के साथ मेल खाता है। 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न आंशिक तौर पर मनाया जा चुका है. यह कार्यक्रम भारत की जीवंत संस्कृति और समृद्ध विरासत का जश्न मनाने के लिए समर्पित है, जिसमें देश भर के सांस्कृतिक रूप से प्रसिद्ध ब्रांडों के 25000 से अधिक हस्तशिल्प उत्पाद शामिल हैं। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाते हुए, बिक्री कार्यक्रम में लकड़ी की कला, धातु-कास्टिंग कला और पारंपरिक फर्नीचर जैसी 100 से अधिक पारंपरिक कलाएं शामिल हैं, जो भारतीय कारीगरों की रचनात्मकता और कलात्मकता को प्रदर्शित करते हुए एक अद्वितीय खरीदारी अनुभव प्रदान करेंगी।

फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम से जुड़े लगभग 100 विक्रेता और कलाकार इस कार्यक्रम में भाग लेंगे और फर्नीचर, साज-सज्जा और घरेलू उपकरणों सहित घर और रसोई की वस्तुओं का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन में सरकार, गैर सरकारी संगठनों, एलजीबीटीक्यू+ और ग्रामीण पृष्ठभूमि की महिलाओं सहित महिलाओं के लिए एक समर्पित स्टोरफ्रंट भी शामिल है, जो समावेशिता और विविधता के प्रति फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता पर जोर देता है। इसमें आगरा, जयपुर, लखनऊ, शाहरंगपुर, सूरत और वाराणसी जैसे टियर-टू और टियर-थ्री शहरों के एमएसएमई भी शामिल हैं। फ्लिपकार्ट, फ्लिपकार्ट के प्लेटफॉर्म पर फलने-फूलने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएगा और विक्रेताओं की सफल भागीदारी सुनिश्चित करेगा, जिससे प्लेटफॉर्म पर उनकी दृश्यता और खोज क्षमता बढ़ेगी।

क्राफ्टेड बाय इंडिया के 8वें संस्करण पर टिप्पणी करते हुए, फ्लिपकार्ट समूह के मुख्य कॉर्पोरेट मामलों के अधिकारी, रजनीश कुमार कहते हैं, "भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के जश्न में, फ्लिपकार्ट में हम च्क्राफ्टेड बाय इंडियाज के 8वें संस्करण को पेश करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। हमारा उद्देश्य समर्थ कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देना और एमएसएमई का समर्थन करना है। यह शक्तिशाली बिक्री कार्यक्रम न केवल हमारे विक्रेताओं को उनकी दृश्यता और पहुंच बढ़ाने में मदद करेगा बल्कि उन्हें डिजिटल बाज़ार में बढ़ने में भी सक्षम बनाएगा। हम कारीगरों के लिए सार्थक अवसर पैदा करते हैं, उनकी अनूठी कला का प्रदर्शन करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें वह पहचान मिले जिसके वे हकदार हैं, ताकि पूरे भारत में विक्रेता समुदाय, विशेषकर एमएसएमई का उत्थान हो सके। अनाड़ी ने कहा कि इस पहल ने 1.8 मिलियन से अधिक विक्रेताओं की आजीविका को प्रभावित किया है, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर पूरे भारत में ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिला है।

फोर्कास स्टूडियो लिमिटेड का आईपीओ 19 अगस्त 2024 को खुलेगा

मुंबई। फोरकास स्टूडियो लिमिटेड भारत के युवाओं के लिए अग्रणी महत्वाकांक्षी फैशन ब्रांडों में से एक है। ने पुरुषों के कपड़ों पर विशेष ध्यान देने के साथ 19 अगस्त 2024 को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ सार्वजनिक होने की अपनी योजना की घोषणा की है। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी ने रुपये का ऊपरी बैंड बढ़ाया। एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाले शेयरों के साथ 37.44 करोड़।

इश्यू का आकार रू10 के अंकित मूल्य पर 46,80,000 इक्विटी शेयरों तक है।

इक्विटी शेयरों का आवंटन

- क्यूआईबी एंकर भाग - 13,31,200 इक्विटी शेयर तक
- योग्य संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) - 8,89,600 इक्विटी शेयर तक
- गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) - 6,67,200 इक्विटी शेयर तक
- खुदरा व्यक्तिगत निवेशक (आरआईआई) - 15,56,800 इक्विटी शेयर तक
- मार्केट मेकर - 2,35,200 इक्विटी शेयर तक

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग गोदामों के उन्नयन, कंपनी द्वारा प्राप्त कुछ सुरक्षित ऋणों के पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर हिस्से के लिए बोली 16 अगस्त, 2024 को खुलेगी, अन्य सभी श्रेणियों के लिए यह इश्यू 19 अगस्त, 2024 से सदस्यता के लिए खुलेगा और 21 अगस्त, 2024 को बंद होगा।

इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर होराइजन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड है। इश्यू का रजिस्ट्रार मास सर्विसेज लिमिटेड है।

फोर्कास स्टूडियो लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री शैलेश अग्रवाल ने कहा, च्हमारी उल्लेखनीय यात्रा को दर्शाते हुए, फोर्कास स्टूडियो लिमिटेड स्टाइल, गुणवत्ता और सामर्थ्य के साथ भारतीय पुरुष परिधान बाजार में एक विशिष्ट नाम के रूप में विकसित हुआ है। शुरुआत से ही हमने निरंतर नवाचार और ग्राहक संतुष्टि को प्राथमिकता दी है। हमारे ब्रांड 'एफटीएक्स', 'ट्राइब' और 'कॉन्टेनो' फैशनेबल, किफायती और आरामदायक पुरुषों के परिधान का पर्याय बन गए हैं, जो पूरे भारत में व्यापक जनसांख्यिकीय को पूरा करते हैं।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारा ध्यान अपनी पहुंच बढ़ाने और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से अपनी ब्रांड उपस्थिति को बढ़ाने पर केंद्रित है। 2021 में ऑनलाइन व्यवसाय में स्थानांतरित होने से हमें 15,000 से अधिक ज़िप कोड की सेवा करने और उपभोक्ताओं से सीधे जुड़ने और उनकी प्राथमिकताओं में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने की अनुमति मिली है। 1,200 से अधिक SK और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर मजबूत उपस्थिति के साथ, हम अपने ग्राहकों को मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, विशेष रूप से टियर -2, टियर -3, टियर -4 शहरों और कस्बों में, जहां हम विकास की भारी संभावनाएं देखते हैं।

'केडीएम भारत का चार्जर' देश को आगे बढ़ाता है

मुंबई। हिन्दुस्तान अपनी आज़ादी के दिन का जश्न मनाने के लिए जब तैयारी कर रहा है, ऐसे में भारत के एक बड़े लाइफस्टाइल और मोबाइल एक्सेसरीज ब्रांड केडीएम ने अपना इंडिपेंडेंस डे कैंपेन "केडीएम भारत का चार्जर" को शुरू कर दिया है, जो केडीएम मोबाइल फोन चार्जर से मोबाइल फोन को चार्ज चार्ज करने का ध्यान रखते हुए देश की प्रगति को दर्शाता है। आज, मोबाइल फोन 'प्रगति का उपकरण' है, जिसका देश की आर्थिक हालत में योगदान होता है, और कोई भी केडीएम चार्जर की तरह मोबाइल को चार्ज नहीं करता है। इसलिए केडीएम सही मायने में भारत का चार्जर है, जो आपके मोबाइल और अर्थव्यवस्था दोनों को चार्ज करता है।

काइनेटिक डायनेमिक मोबाइल चार्जिंग टेस्टिंग टेक्नोलॉजी (केडीएम-टी टेक्नोलॉजी) वाला केडीएम चार्जर 100त्न देश में तैयार किया गया प्रोडक्ट है जिसे आपके मोबाइल फोन को ओवरहीटिंग, ओवरचार्जिंग और वोल्टेज में होनेवाले उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए भारत में डिज़ाइन और बनाया गया है।

केडीएम ने औरतों को ताकतवर बनाने और उनकी पैसों से जुड़ी सुरक्षा पर ध्यान देने में योगदान देने की भी कसम उठाई है। केडीएम ट्रेनिंग एंड स्किल डिवेलपमेंट सेंटर के तहत 2030 तक 50,000 महिलाओं को रोज़गार के मौके प्रदान करने की तैयारी की गई है।

केडीएम के संस्थापक एन डी माली ने कहा, "भारत 2047 तक विकसित भारत की अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रहा है, मेक इन इंडिया के साथ-साथ हमें मेक फॉर द वर्ल्ड के मंत्र के साथ भी आगे बढ़ना चाहिए। एक्सपोर्ट को बढ़ावा देते हुए उत्पादन की देश के अंदर की क्षमताओं को मज़बूत करने से देश को पूरी दुनिया के एक बड़े उत्पादन केंद्र के रूप में उभरने में मदद मिलेगी। आगे चलकर, हम भारत के अंदर केडीएम के सभी प्रोडक्ट्स बनाना चाहते हैं और हर शॉप केडीएम, हर घर केडीएम का सपना देखते हैं।"

केडीएम के सह-संस्थापक बी एच सुथार ने कहा, "भारत अपनी आज़ादी का जश्न मनाते हुए गर्व कर रहा है, हम "हर घर केडीएम" के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए भी तैयार हैं। हम केडीएम चार्जर के साथ-साथ केडीएम के प्रोडक्ट्स की बेहतरीन रेंज के साथ भारत के हर घर तक पहुँचना चाहते हैं। इसके अलावा, हम देश की आर्थिक विकास में योगदान देना चाहते हैं और अपने चार्जर्स के साथ भारत को एक मज़बूत देश बनाना चाहते हैं।" ये चार्जर डिस्ट्रीब्यूटरों, डीलरों और रिटेलरों के ज़रिए पूरे भारत में अपने पार्टनर स्टोरों पर उपलब्ध हैं।

नियोजेन केमिकल्स ने Q1FY25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन की सूचना दी

Q1 FY25 में चुनौतीपूर्ण परिचालन स्थितियों के बावजूद, राजस्व 9 प्रतिशत बढ़कर रु. 180.0 करोड़ तक पहुंच गया है. कमजोर मूल्य निर्धारण के बीच गैर-एग्केम संबंधित उत्पादों के उच्च योगदान से वॉल्यूम-संचालित वृद्धि को बढ़ावा मिला। कंपनी ने विशिष्ट अनुप्रयोगों को पूरा करते हुए प्रमुख उत्पादों की मांग में सुधार के कारण बुली केम में मजबूत प्रदर्शन दिखाया। नियोजेन आयोनिक्स ने लिथियम लवण और इलेक्ट्रोलाइट्स की परीक्षण मात्रा की व्यावसायिक बिक्री के माध्यम से वृद्धिशील वृद्धि में भी योगदान दिया है।

ईबीआईटीडीए रु. साल-दर-साल 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 30.8 करोड़। उच्च कार्मिक लागत और लाइन में अन्य लागतों के बावजूद नियोजेन आयोनिक्स में क्षमता निर्माण में सुधार हुआ है। मुख्य उत्पादों में मूल्य निर्धारण के दबाव जारी रहने के बावजूद परिचालन क्षमता के कारण मार्जिन साल-दर-साल 17.1 प्रतिशत पर बनाए रखा गया।

कर पश्चात लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर रु. 11.15 करोड़. कर पश्चात लाभ प्रदर्शन ने एक मजबूत परिचालन प्रवाह दिखाया, जो कम कर दर से प्रेरित था। बैटरी रसायनों में पूंजीगत व्यय में वृद्धि के साथ घाटा और ब्याज व्यय बढ़ने की उम्मीद है।

Q1 FY25 के लिए प्रति शेयर आय (Q1 FY24 में 3.92 रुपये प्रति शेयर) रुपये पर। 4.35 बज चुके हैं.

FY25 की पहली तिमाही के प्रदर्शन पर बोलते हुए नियोजेन केमिकल्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री हरिदास कनानी ने कहा: "हमें इस तिमाही में 9 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि और 18 प्रतिशत के कर पश्चात लाभ में सुधार की रिपोर्ट करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह मांग में धीरे-धीरे सुधार के साथ नरम मूल्य निर्धारण के बीच बेहतर वॉल्यूम से प्रेरित है। प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन ने लॉजिस्टिक चुनौतियों के बीच ग्राहक संबंधों को मजबूत किया है। बुली केम और नियोजेन आयोनिक्स ने समग्र समेकित प्रदर्शन में सकारात्मक योगदान दिया।

हमारी विकास पहल सही रास्ते पर हैं। लिथियम इलेक्ट्रोलाइट लवण और इलेक्ट्रोलाइट्स के लिए प्रारंभिक क्षमताएं अब चालू हैं। हम वैश्विक ग्राहकों के लिए व्यावसायिक रूप से लिथियम लवण का परिवहन कर रहे हैं, जबकि इलेक्ट्रोलाइट्स भारत में आगामी सेल विनिर्माण क्षमताओं के साथ वाणिज्यिक मात्रा के साथ परीक्षण उत्पादन में हैं। ये प्रयास एमयूआईएस प्रौद्योगिकी का उपयोग करके हमारे आगामी ग्रीनफील्ड प्लांट के लिए मूल्यवान बाजार अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं जहां निर्माण शुरू हो गया है। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हम वैश्विक मानकों को पूरा करने वाले वाणिज्यिक संयंत्र से इलेक्ट्रोलाइट की आपूर्ति करने वाली भारत की पहली कंपनियों में से एक हैं। हमें लिथियम-आयन बैटरी उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों का समर्थन करने पर गर्व है।

मौजूदा व्यवसायों में मौजूदा एग्केम बाजार की चुनौतियों को दूर करने के लिए, हम वैश्विक एग्केम बाजार के ठीक होने तक गैर-एग्केम अवसरों की तलाश कर रहे हैं और इस वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही में अपेक्षित रिकवरी में, वित्त वर्ष 2026 में राजस्व रु। 900-1000 करोड़ रुपये हासिल होने की उम्मीद है.

हम मौजूदा व्यापक चुनौतियों से धीरे-धीरे उभर रहे हैं और आगे चलकर मजबूत वृद्धि की उम्मीद करते हैं। मौजूदा परिचालन माहौल के बावजूद, हमारा मानना है कि भारतीय रसायन उद्योग लंबी अवधि में उत्कृष्ट विकास के लिए तैयार है। नियोजेन केमिकल्स उत्कृष्ट प्रदर्शन देने और अपने हितधारकों के लिए उत्कृष्ट मूल्य बनाने के लिए सभी मोर्चों पर काम करेगा।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)